RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 126 ता. 12 नवम्बर 2021, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पीएम मोदी ने मौलाना आजाद और आचार्य कृपलानी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

आजाद की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा एक पथप्रदर्शक विचारक और बुद्धिजीवी स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका प्रेरणादायक है। वह शिक्षा क्षेत्र के प्रति जुनूनी थे और समाज में भाईचारे को आगे बढ़ाने के लिए काम करते थे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानियों आचार्य कृपलानी और मौलाना अबुल कलाम आजाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। एक ट्वीट में, मोदी ने ओनेक ओबव्वा को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जो एक किले को बचाने के दौरान हैदर अली के सैनिकों से लड़ते हुए मारी गई थी। उन्होंने कहा कि कोई भी उस साहस को कभी नहीं भूल सकता जिसके साथ उन्होंने अपने लोगों और संस्कृति की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि वह भारत की नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में लोगों को प्रेरित करती हैं।

कोई भी उस साहस को कभी नहीं भूल सकता जिसके साथ उन्होंने अपने लोगों और संस्कृति की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि वह भारत की नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में लोगों को प्रेरित करती हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और समाजवादी दिग्गज कृपलानी को श्रद्धांजलि देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे आगे थे। मोदी ने कहा, हमारे देश के लिए उनके पास एक महान दृष्टिकोण था और सांसद के रूप में इसे पूरा करने के लिए काम किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में अपार योगदान दिया। उनकी जयंती पर उन्हें याद करते हैं।

आजाद की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, एक पथप्रदर्शक विचारक और बुद्धिजीवी, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका प्रेरणादायक है। वह शिक्षा क्षेत्र के प्रति जुनूनी थे और समाज में भाईचारे को आगे बढ़ाने के लिए काम करते थे।

चेन्नई में बारिश का कहर, 20 जिलों में आज रेड अलर्ट, कई उड़ानें रद्द

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बारिश का कहर है। चेन्नई और आसपास के इलाकों में आज भी मूसलाधार बारिश की संभावना है। राज्य के 20 जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि 11 नवंबर को तमिलनाडु के तिरुवल्लुर, कल्लाकुरिची, सेलम, वेल्लोर, तिरुन्नामलाई, रानीपेट और तिरुपुत्तर जिलों के कुछ इलाकों में भारी से भारी बारिश की संभावना है। वहीं तमिलनाडु के नीलगिरि, कोयंबटूर, चेंगापल्टू, नमक्कल, तिरुचिरापल्ली, चेन्नई और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। भारी बारिश की वजह से कई उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। मौसम विभाग ने बताया कि इस कम दबाव के क्षेत्र के 11 नवंबर की शाम को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तट से गुजरने की संभावना है। इस मौसम रुझान की वजह से अगले तीन से चार दिनों तक तमिलनाडु के बड़े हिस्से में बारिश होने की उम्मीद की जा रही है। मौसम विभाग ने कहा, यह चेन्नई से लगभग 430 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण पूर्व और पुडुचेरी से 420 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण पूर्व में स्थित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 11 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु तट के पास पहुंचने की संभावना है। इसके बाद 11 नवंबर की शाम तक इसके तट को पार करने की संभावना है।

अगले दो दिनों तक बारिश की संभावना

चक्रवाती तूफान के बनने के परिणामस्वरूप तमिलनाडु में कम से कम अगले दो दिनों तक बारिश होने की संभावना है। वर्षा विशिष्ट क्षेत्रों में छिटपुट, भारी, बहुत भारी और अत्यधिक भारी और अधिकांश अन्य स्थानों में हल्की से मध्यम होने की संभावना है। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के आयुक्त गगनदीप एस बेदी ने कहा, हम अगले दो दिनों में चेन्नई और उसके आसपास 250 मिमी से अधिक बारिश की उम्मीद है।

अब तक 12 की मौत-तमिलनाडु में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते हालात बिगड़ते जा रहे हैं। राज्य में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत बायोटेक ने बताया तीसरी खुराक का उचित समय, जानें- दूसरी डोज के बीच कितना हो अंतराल

नई दिल्ली। भारत बायोटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कृष्णा एल्ला ने बुधवार को कहा कि कोरोना रोधी वैक्सीन की दूसरी डोज के छह महीने बाद ही तीसरी डोज दी जानी चाहिए, यही सबसे उचित समय है। साथ ही, उन्होंने नाक से दिए जाने वाले टीके (नेजल वैक्सीन) के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि उनकी कम्पनी %जीका% रोधी टीका बनाने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। एल्ला ने एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कोवैक्सीन टीका लगवाना उनका भारतीय विज्ञान में भरोसा दिखाता है। उन्होंने कहा कि दूसरी खुराक के छह महीने बाद ही तीसरी खुराक दी जानी चाहिए। तीसरी खुराक के लिए यही सबसे उचित समय है।भारत बायोटेक नाक से दिए जाने वाली टीके को %बूस्टर% खुराक के तौर पर लाने का भी विचार कर रही है। नेजल वैक्सीन के महत्व के बारे में उन्होंने कहा कि पूरा विश्व ऐसे टीके चाहता है। संक्रमण रोकने का यही एकमात्र तरीका है। हर कोई इम्यूनोलाजी का पता लगाने की कोशिश कर रहा है और सौभाग्य से, भारत बायोटेक ने इसका पता लगा लिया है। एल्ला ने कहा कि हम नाक से देने वाला टीका ला रहे हैं। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या कोवैक्सीन की दूसरी खुराक को नाक से दिया जा सकता है, यह रणनीतिक रूप से, वैज्ञानिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दूसरी खुराक को यदि आप नाक से देते हैं तो आप संक्रमण को फैलने से रोकते हैं। जीकारोधी टीके के बारे में एल्ला ने कहा कि भारत बायोटेक ने जीका वायरस रोधी टीका बना लिया है। परीक्षण का पहला चरण पूरा हो गया है। सरकार को और अधिक परीक्षण (ट्रायल) करने होंगे क्योंकि मामले अधिक हैं। उन्होंने कहा कि हम 2014 में जीकारोधी टीका बनाने वाली विश्व की पहली कंपनी थे।

नवंबर महीने में ठंड के साथ बढ़ने लगा प्रदूषण का स्तर, यूपी-दिल्ली में और जहरीली हुई हवा

नई दिल्ली। ठंड बढ़ने के साथ ही उत्तर भारत के राज्यों में प्रदूषण का स्तर भी बढने लगा है। दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर इलाकों में गुरुवार सुबह को स्माग काफी ज्यादा था, जिस वजह से सड़कों पर ड्राइव करते समय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई लेवल कल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है। इसी तरह उत्तर प्रदेश के भी कई इलाकों में एक्यूआई स्तर बढ़ा है हालांकि बिहार के जिलों में इसमें आज कल की अपेक्षा थोड़ी कमी नजर आई है। यूपी और दिल्ली के इलाकों में एक्यूआई बेहद खराब से गंभीर स्तर पर रिकार्ड किया गया है।

सेंट्रल पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक आज सुबह आठ बजे दिल्ली के आनंद विहार इलाके में एक्यूआई लेवल 453 दर्ज किया गया है। इसी तरह से जहांगीरपुरी में 449, बवाना में 405, सीआरआरआई मथुरा रोड पर भी एक्यूआई गंभीर स्तर पर रहा, यहां एक्यूआई लेवल 371 दर्ज किया गया। इसके अलावा चांदनी चौक में 426, आईजीआई एयरपोर्ट में 388, इभास दिलशाद गार्डन में 360, आईटीओ में 406, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक्यूआई लेवल 402 दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश के भी ज्यादातर इलाकों में हवा का प्रदूषण स्तर काफी अधिक रहा। आगरा के अलग-अलग इलाकों में एक्यूआई स्तर 416 से 441 तक रिकार्ड किया गया है। बुलंदशहर में 428, बागपत में 446, गाजियाबाद में 440-480 के बीच, फिरोजाबाद में 407, हापुड़ में 427, लखनऊ 174-360, कानपुर में 275-324, ग्रेटर नोएडा में 381-418, मेरठ 283-350, वृंदावन में 436, नोएडा में 406-434 तक एक्यूआई का स्तर रिकार्ड किया गया है। इसी तरह से दिल्ली से सटे हरियाणा के अंबाला में एक्यूआई का स्तर खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है, यहां एक्यूआई 290 रहा। बहादुरगढ़ में 362, भिवानी में 365, चरखी दादरी 384, बल्लभगढ़ 409, फरीदाबाद 374-423, गुरुग्राम 332-375, पानीपत 387, जिंद में 369 रिकार्ड किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मंजूरी चाहिए तो अतिरिक्त सुरक्षा उपाय बताएं केंद्र-एनजीओ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वाकांक्षी चारधाम परियोजना को मंजूरी देने के लिए इससे जुड़ीं एजेंसियों पर लागू किए जाने वाले अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को लेकर केंद्र और गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) से सुझाव मांगे हैं। शीर्ष अदालत ने बुधवार को कहा, हम 'अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू होना चाहिए' कहने के बजाय अपने आदेश में इसे शामिल करना चाहेंगे, जिन पर परियोजना से जुड़ीं एजेंसियों को अमल करना होगा।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ के समक्ष केंद्र सरकार ने दलील दी कि उसने क्षेत्र के भौगोलिक सर्वेक्षण समेत कई अध्ययन कराए हैं और भूस्खलन की घटनाओं में कमी लाने के कई उपाय किए हैं। इसके बावजूद यदि अदालत अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करना चाहती है तो हमें कोई हर्ज नहीं है। उत्तराखंड में पवित्र चार धामों- यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ को जोड़ने वाली 12 हजार करोड़ की 900 किलोमीटर लंबी परियोजना पर पीठ ने स्पष्ट कहा, हमने इसे लेकर कोई धारणा नहीं बनाई है, लेकिन इस मुद्दे पर सभी पक्षों से उचित जवाब पाने के लिए कुछ सवाल

पूछ रहे हैं। हम खुली बहस के लिए तैयार हैं।

अदालत 8 सितंबर 2020 के उस आदेश में संशोधन के लिए केंद्र की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को परियोजना से जुड़े राजमार्ग पर 5.5 मीटर का गलियारा बनाने का नियम पालन करने को कहा गया था। यह राजमार्ग चीन की सीमा से जुड़ा है। पीठ ने केंद्र की ओर से पैरवी कर रहे अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल और सिटीजन फॉर ग्रीन दून के वकील कोलिन गोंजाल्विस से सुझाव मांगे कि अदालत यदि चौड़ी सड़कों के साथ परियोजना को मंजूरी देती है तो किस तरह के अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू कर सकती है।

हम कुछ पाबंदियां भी लगा सकते हैं

अदालत ने अटार्नी जनरल से कहा, हम सीमित तौर पर कुछ पाबंदियां भी लगा सकते हैं। आपको भी बताना होगा कि सीमा सड़क संगठन और लोक निर्माण विभाग जैसी एजेंसियों पर कौन-कौन से अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकते हैं। इन एजेंसियों को इन उपायों का पालन सुनिश्चित करना होगा जिन पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट में चिंता जताई गई थी। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को भी उत्तराखंड के उन हिमालयी क्षेत्र में वैकल्पिक, सुरक्षा के मानक या कदम के बारे में सुझाव देने होंगे।

तिहाड़ जेल की हालत दयनीय, जेल में हो रही हत्याएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि तिहाड़ जेल की हालत दयनीय है जो अपराधियों का अड्डा बन गई है और वहां हत्याएं हो रही हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को जेल सुधारों पर तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया और दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना द्वारा दिए गए सुझावों पर उठाए गए कदमों को लेकर कार्य योजना और रिपोर्ट दाखिल नहीं करने पर गृह मंत्रालय के रवैये पर नाराजगी व्यक्त की। दिल्ली पुलिस ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि उसने रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक के जेल में बंद पूर्व प्रवर्तकों संजय और अजय चंद्रा के साथ मिलीभगत के संबंध में भ्रष्टाचार निवारण कानून और भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत 37 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल में एक चौंकाने वाला तथ्य उजागर किया था कि उसने यहां एक 'गुप्त भूमिगत कार्यालय' का पर्दाफाश किया है, जिसे यूनिटेक के संस्थापक रमेश चंद्रा द्वारा संचालित किया जा रहा था और पैरोल या जमानत पर उनके बेटों संजय और अजय ने वहां का दौरा किया था। अगस्त 2017 से जेल में बंद संजय और अजय दोनों पर फ्लैट खरीदारों के धन की हेराफेरी करने का आरोप है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा कि अस्थाना की रिपोर्ट में तिहाड़ जेल में सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल जैमर, बाडी स्कैनर लगाने और अन्य सुरक्षा उपाय करने की सिफारिश की गई है, लेकिन छह अक्टूबर के आदेश के अनुपालन पर उसके समक्ष गृह मंत्रालय द्वारा कोई रिपोर्ट नहीं रखी गई है। पीठ ने कहा कि अस्थाना द्वारा दिए गए सुझावों पर अब तक उठाए गए कदमों के बारे में गृह मंत्रालय के संबंधित सचिव को तीन हफ्ते के भीतर एक कार्ययोजना और एक रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। पीठ ने कहा, तत्काल और त्वरित कदम उठाएं और एक रिपोर्ट दायर करें।

कोरोना से जंग में भारत देगा बड़ा हथियार, जल्द आएगी 'मेड इन इंडिया' एंटी कोविड पिल्स

नई दिल्ली। कोरोना से जारी भारत की लड़ाई में अब देश को एक नया हथियार मिलने जा रहा है। यह एक गोली है जो कोरोना के मरीजों को दी जाएगी और उनके अस्पताल में भर्ती होने और मौत के खतरे को कम करेगी। कोरोना के हल्के से मध्यम लक्षण वाले मरीजों के इलाज के लिए मर्क की एंटीवायरल दवा मोलनुपिरवीर की कुछ ही दिनों में इमरजेंसी यूज की मंजूरी मिल जाएगी। कोविड स्ट्रैटजी ग्रुप, सीएसआईआर के अध्यक्ष डॉ राम विश्वकर्मा ने बताया कि यह दवा उन व्यस्कों के लिए होगी जिनमें कोरोना के गंभीर लक्षण होंगे या जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने का खतरा होगा।

कोविड स्ट्रैटजी ग्रुप, सीएसआईआर के अध्यक्ष डॉ राम विश्वकर्मा ने एनडीटीवी से अपनी बातचीत में बताया कि फाइजर की गोली पैक्सलोविड में अभी कुछ समय लग सकता है. उन्होंने बताया कि दो दवाओं के आने से काफी असर पड़ेगी। उन्होंने बताया कि यह महामारी में लड़ने में टीकाकरण से ज्यादा प्रभावी होंगी।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है मोलमनुपिरवीर जल्द ही उपलब्ध हो जाएगी। पांच ऐसी कंपनियां है जो दवा निर्माता के साथ मिलकर काम कर रही हैं. मुझे लगता है कि ऐसे में कभी भी हमें इसे इस्तेमाल की मंजूरी मिल सकती है।

वहीं फाजिर ने अपने एक बयान में कहा कि उनकी दवा पैक्सलोविड कोमजोर मरीजों में अस्पताल में भर्ती होने या मौत के जोखिम को 89 प्रतिशत तक कम करती है।

मर्क ने पहले ही पांच कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट किया है और जिस तरह से मर्क ने कई कंपनियों को यह लाइसेंस दिया है, फाइजर भी ऐसा करेगा क्योंकि फाइजर को वैश्विक उपयोग के लिए आवश्यक दवाओं के निर्माण के लिए भारतीय क्षमता का उपयोग करना होगा।

संसद से पहले सड़क पर संग्राम करेगी कांग्रेस, महंगाई के मुद्दे पर देशभर में आंदोलन का ऐलान

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर देशव्यापी जन जागरण अभियान चलाएगी। पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर से शुरू होने वाले इस अभियान के जरिए पार्टी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचकर उन्हें अपने साथ जोड़ने का प्रयास करेगी। अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता प्रभात फेरी, पदयात्रा और लोगों से संवाद करेंगे। पार्टी के संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और रणदीप सुरजेवाला ने कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि मोदी सरकार की गरीब विरोधी नीतियों की वजह से 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे चले गए हैं। जनता परेशान है। इसलिए पार्टी जनजागरण अभियान शुरू कर लोगों को महंगाई के मुद्दे पर जागरूक करेगी। उन्होंने कहा कि इस बारे में सोशल मीडिया अभियान भी चलाया जाएगा। पार्टी एक टोल फ्री नंबर जारी करेगी। इस पर मिस्ड कॉल कर कोई भी व्यक्ति खुद को रजिस्टर करा सकता है। इस अभियान में शामिल होने वाले लोगों के पास पार्टी की सदस्यता लेने का भी विकल्प रहेगा। कांग्रेस कार्यसमिति की पिछली बैठक में इस अभियान के कार्यक्रम को मंजूरी दी गई थी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से गरीब और मध्यवर्गीय परिवार को अपना बजट

संभालने में मुश्किल हो रही है। इसलिए, हमने मंहगाई का विषय लिया है। इसके साथ दूसरे विषयों पर भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोशिश है कि इस जनजागरण अभियान में ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को जोड़ा जाए।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालयों में कंट्रोल रूम बनाए गए

पंद्रह दिन तक चलने वाले इस अभियान के लिए पार्टी मुख्यालय और सभी प्रदेश कांग्रेस कार्यालयों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इन कंट्रोल रूम के जरिए जन जागरण अभियान की निगरानी की जाएगी। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सभी नेताओं से कहा गया है कि वह अभियान के दौरान वह अपने-अपने क्षेत्र में कम से कम सात दिन की पद यात्रा जरूर करें।

प्रशिक्षण पर भी खास ध्यान दे रही है पार्टी

इस साथ पार्टी प्रशिक्षण पर भी खास ध्यान दे रही है। जन जागरण अभियान के लिए भी प्रदेश स्तर के नेताओं के लिए 14 नवंबर को वर्धा (महाराष्ट्र) में एक दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद हर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र से दस-दस और विभिन्न क्षेत्रों के बीस व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

सार समाचार

कांग्रेस विधायक ने दी चेतावनी, कहा - अगर नहीं हुआ मामला दर्ज तो पीएम मोदी के सामने देंगे धारना

भोपाल। भोपाल मध्य विधानसभा से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने बुधवार को कोह-ए-फिजा थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया और कमला नेहरू अस्पताल में आग की घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। दरअसल सोमवार की रात बाल वार्ड में भीषण आग लग गई, जिसमें प्रशासन का कहना है कि पांच शिशुओं की मौत हो गई। हालांकि, विपक्ष ने दावा किया कि इस घटना में 14 बच्चों की मौत हो गई। वहीं पुलिस ने मसूद और उसके समर्थकों को थाने में घुसने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री विश्वास सारंग और अन्य के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में मसूद और उनके साथ 4 लोगों को अनुमति दी गई। मसूद ने शहर के पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नागेंद्र पटेरिया को एक ज्ञापन सौंपा और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। मसूद ने कहा कि अगर आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया तो वह और उनके समर्थक 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे।

सोनीपत में महिला पहलवान और उनके भाई की गोली मारकर हत्या, इलाके में बढ़ी हिंसा

सोनीपत/गोंडा। हरियाणा के सोनीपत जिले में बुधवार को एक कुश्ती अकादमी में कुछ हमलावरों ने गोलीबारी कर विश्वविद्यालय स्तर की पहलवान निशा दहिया और उनके भाई की हत्या कर दी, जबकि मां घायल हो गई। घटना के बाद गुस्साए गांववालों ने अकादमी में आग लगा दी। जिस महिला पहलवान की हत्या की गयी, उनकी पहचान को लेकर भ्रम पैदा हो गया और कई खबरों में उन्हें हाल ही में अंडर-23 वर्ग की विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली पहलवान बता दिया गया। कांस्य पदक विजेता पहलवान का नाम भी निशा दहिया ही है। पुलिस को संदेह है कि सोनीपत के हलालपुर इलाके में हुई इस गोलीबारी की घटना के पीछे अकादमी का कोच-सह-मालिक है। पुलिस उसे पकड़ने व घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सोनीपत के सहायक पुलिस अधीक्षक मयंक गुप्ता ने बताया कि निशा दहिया (20) और उनके भाई सूरज (18) इस वारदात में मारे गए। उन्होंने उन खबरों को खारिज कर दिया जिसमें मृतक महिला को कांस्य पदक विजेता पहलवान बताया गया है। गुप्ता ने बताया कि वह विश्वविद्यालय स्तर की पहलवान थीं जो सुशील कुमार कुश्ती अकादमी में अभ्यास कर रही थीं।

केजरीवाल ने छठ पूजा मनायी, राजनीति न करने को कहा

नयी दिल्ली7 दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सूर्य देव को 'अर्घ्य' देकर पूर्व किदवई नगर और राजा बाजार में बुधवार को छठ पूजा की और कहा कि यह राजनीति करने का वक्त नहीं है और हर किसी को प्रसन्नता के साथ ''छठ महापर्व'' मनाना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी तब आयी है जब भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया कि आदम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने यमुना नदी के किनारे छठ मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया। केजरीवाल ''छठी मईया'' का आशीर्वाद लेने के लिए छठ पूजा मनाने पूर्व किदवई नगर और राजा बाजार में डीआईजेड सेक्टर-चार गए। एक सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा कि हर किसी को छठी मईया का आशीर्वाद लेना चाहिए और हर्षोल्लास के साथ छठ का पर्व मनाना चाहिए तथा इस मौके पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम बड़ी मुश्किलों से कोविड-19 महामारी से निपटे हैं। कोरोना वायरस अभी खत्म नहीं हुआ है इसलिए सभी को अपना ख्याल रखना चाहिए और घर से बाहर निकलते वक्त मास्क पहनना चाहिए।

नंदीग्राम गोलीकांड के लिए जिम्मेदार लोगों को 14 साल बाद भी नहीं मिली सजा: अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा कि 2007 में नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण रोधी आंदोलन में किसानों की हत्या के लिए जिम्मेदार कितने लोगों को 14 साल बीतने के बाद गिरफ्तार किया गया और सजा दी गयी है। चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि नंदीग्राम आंदोलन राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना है और उसने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का 2011 का विधानसभा चुनाव जीतने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने पूछा, ''बहरहाल, क्या नंदीग्राम आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को न्याय मिल गया है? क्या टीएमसी सरकार ने किसानों पर गोलीबारी में शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज करने की पहल की? क्या उन्हें गिरफ्तार किया गया या सजा दी गई?'' गौरतलब है कि टीएमसी 10 नवंबर को नंदीग्राम दिवस के रूप में मनाती है।

धार्मिक व्यक्ति नहीं थे सावरकर, उन्हें गोमांस खाने में भी नहीं थी कोई परेशानी: दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने वीर सावरकर पर निशाना साधा। दरअसल, दिग्विजय सिंह बुधवार को अयोध्या फैसले पर लिखी सलमान खुर्शीद की एक किताब के लॉन्च पर संबोधन अपना संबोधन दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का दुख है कि मीडिया भी हिंदुत्व को हिंदू धर्म से जोड़ता है। जबकि हिंदुत्व का हिंदू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। सनातनी परंपराओं से कोई लेना-देना नहीं है।

भाजपा पर बरसे अखिलेश यादव, बोले- इन लोगों ने सपने दिखाकर वोट लिया और फिर सब कुछ छीन लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को मुजफ्फरनगर में कश्यप महासम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब बदलाव होना तय है। किसानों और गरीबों ने तय किया है कि भाजपा का सफाया करने का काम करेंगे। अखिलेश ने कहा कि आने वाले समय में जब कभी सपा को समय मिलेगा आपकी सभी मांगों को मानकर सम्मान दिलाने का काम करेंगे।

सपा ने जोड़ने का काम किया

उन्होंने कहा कि अभी बहुत सारे गठबंधन होने वाला है। हमने कई दलों को साथ लिया है और बहुत जल्दी और दलों के साथ आने वाले समय में गठबंधन होगा। लगातार समाजवादी पार्टी जोड़ने का काम कर रही है। दलों, किसानों, व्यापारियों सभी को जोड़ने का काम समाजवादी पार्टी कर रही है। हम आपको कहना चाहते हैं कि आपने दूसरे दलों की सरकार देख ली है। इन लोगों ने आपको धोखा दिया। लालच और सपने दिखाकर वोट ले लिया लेकिन हमारे कश्यप समाज के लोग जानते हैं कि इनके हक और सम्मान को भाजपा ने छीनने का काम किया है।

इसी बीच उन्होंने कहा कि भाजपा अगर सत्ता में रही तो सबकुछ छीन लेगी। बाबासाहेब ने जो संविधान लागू किया था, जिसकी वजह से सम्मान मिल रहा है लेकिन सरकार के फैसलों से वो भी छिन जाएगा।

100 के पार चला गया पेट्रोल

अखिलेश ने कहा कि इन्हीं लोगों ने कहा था कि हवाई चप्पल वाले हवाई जहाज से चलेंगे लेकिन इन्हीं लोगों ने पेट्रोल इतना महंगा कर दिया कि हवाई चप्पल वाला मोटरसाइकिल से भी नहीं चल पाता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का किसानों को पूरा समर्थन है और हम तब तक काले कानूनों का विरोध करेंगे जब तक सरकार इसे वापस नहीं ले लेगी। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों की मदद करनी है तो सरकार मदद कर सकती है और मदद से किसान खुशहाल होगा। लेकिन किसान के सामने संकट पैदा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि किसान के साथ नौजवान के सामने भी संकट पैदा हो रहा है। इनके पास नौकरी नहीं है। अखिलेश ने कहा कि अभी बाबा

मुख्यमंत्री आए थे। उन्हें कम से कम अपना संकल्प पत्र पढ़ना चाहिए। अभी तक हमें लगता था कि वो लैपटॉप इसलिए नहीं बांट रहे थे क्योंकि उन्हें लैपटॉप चलाना नहीं आता है लेकिन अब कह सकता हूं कि जहां वो लैपटॉप चलाना नहीं जानते वहां वो अपना घोषणा पत्र भी नहीं पढ़ते हैं। उन्होंने अपने संकल्प पत्र में लिखा था कि 70 लाख नौकरी दे देंगे। लेकिन उन्होंने कितनों को नौकरी दे दी?

बदलाव की अटकलों के बीच बोम्मई को मिला बड़ा आश्वासन, पीएम मोदी बोले- चिंता की कोई बात नहीं है, काम करते रहो

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बिटकॉइन घोटाले को लेकर गरमाई राजनीति के बीच राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें ''बगैर किसी चिंता'' के राज्य की जनता के हित में समर्पण भाव व निर्भिकता से काम करते रहने को कहा है। दिल्ली के दो दिवसीय दौरे पर आए बोम्मई की प्रधानमंत्री से यह मुलाकात लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आधिकारिक आवास पर तकरीबन आधे घंटे तक चली। बोम्मई ने राज्य के मुख्यमंत्री की कमान संभालने के बाद 100 दिनों के भीतर किए गए प्रशासनिक कामकाज के सिलसिले में उठाए गए कदमों से उन्हें अवगत कराया। यह पूछे जाने पर कि क्या बिटकॉइन के मामले को लेकर भी प्रधानमंत्री से उनकी कोई चर्चा हुई, बोम्मई ने बताया, ''मैंने इस बारे में जानकारी उनसे साझा करने की कोशिश की। उन्होंने (मोदी) कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है...उन्होंने मुझे समर्पण भाव और निर्भिकता से जनता के हित में काम करने को कहा, बाकी सबकुछ ठीक हो जाएगा।''

बिटकॉइन, भारत सहित कुछ कुछ देशों में वैध मुद्रा नहीं है। हाल ही बिटकॉइन घोटाले के आरोपों से कर्नाटक की राजनीति गरमाई हुई है। अधिकारियों द्वारा

बंगलुरू शहर के एक हैकर श्रीकृष्ण ऊर्फ श्रीकी से नौ करोड़ रुपये के बिटकॉइन जब्त किए जाने के बाद विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि इसमें राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोग शामिल हैं। श्रीकी पर सरकारी पोर्टलों को हैक करने और मादक पदार्थ प्राप्त करने के लिए बिटकॉइन के माध्यम से भुगतान करने का आरोप है। कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने बुधवार को दावा किया कि बिटकॉइन घोटाले के चलते मुख्यमंत्री बोम्मई को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ेगी और वर्ष 2008-13 की तरह ही इस बार भी भाजपा सरकार को तीसरा मुख्यमंत्री देखना पड़ेगा। कांग्रेस ने राज्य सरकार पर इस मामले को रफा-दफा करने का भी आरोप लगाया है।

मायावती ने यूपी सरकार को घेरा, दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की

लखनऊ। (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कासगंज में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत को दुखद और शर्मनाक बताते हुये राज्य सरकार से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है। मायावती ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, कासगंज में पुलिस हिरासत में एक और युवक की मौत अति दुखद व शर्मनाक है। सरकार घटना की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों को सख्त सजा दे तथा पीड़ित परिवार की मदद करे। उत्तर प्रदेश सरकार हिरासत में आए दिन होने वाली मौतों को रोकने व पुलिस को जनता की रक्षक बनाने में विफल साबित हो रही है,जो अति चिन्ता की बात है।

गौरतलब है कि कासगंज में अल्ताफ नामक युवक की पुलिस हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। पुलिस अधीक्षक रोहन प्रमोद बोत्रे ने बताया कि मंगलवार को एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर साथ ले जाने के मामले में पूछताछ के लिए नगला सैयद इलाके के रहने वाले अल्ताफ को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान अल्ताफ ने शौचालय जाने की बात कही, उसे हवालात के अंदर बने शौचालय जाने दिया गया,जहां उसने जैकेट के हुक में लगी डोरी को शौचालय के नल में फंसा कर अपना गला घोंटने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि आरोपी के नहीं लौटने पर पुलिसकर्मी शौचालय गए और वहां उन्होंने अल्ताफ को गंभीर अवस्था में पाया, तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजन का आरोप है कि पुलिस द्वारा बेरहमी से पीटे जाने की वजह से उसकी मौत हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

देश में 266 दिन बाद कोविड-19 के सबसे कम मामले, उपचाराधीन मरीज की संख्या में कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 13,091 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,44,01,670 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 1,38,556 हुई, जो 266 दिन में सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 340 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,62,189 हो गई। देश में लगातार 34 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 20 हजार से कम हैं और 137 दिन से 50 हजार से कम नए दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी घटकर 1,38,556 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.40 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,127 की कमी दर्ज की गई है।

मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.25 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 1.10 प्रतिशत है, जो पिछले 38 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर 1.18 प्रतिशत है, जो पिछले 48 दिन से दो प्रतिशत से कम बनी हुई है। अभी तक कुल 3,38,00,925 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 110.23 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में संक्रमण से जिने 340 लोगों की मौत हुई, जिनमें से केरल के 259 और महाराष्ट्र के 17 लोग थे। केरल राज्य सरकार की ओर से बुधवार को जारी की गई एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मौत के इन 259 मामलों में 48 पिछले कुछ दिनों में सामने आए।

छठव्रत धारियों ने अस्तचलगामी सूर्य को दिया अर्घ

संवाददाता रामलखन सहानी
बरहज/देवरिया

आस्था के महपर्व छठ पूजा व्रतियों ने उत्साह से अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। बुधवार को मां सरयू की पवित्र जल धारा में खड़े होकर व्रतियों ने अर्घ्य देने की प्रक्रिया को पूरा किया और छठ मैय्या से मनौतियां मांगी। पूजा की थाली में कलश दिया तथा प्रसाद व फल लेकर व्रतियां छठ मैय्या के गीत गाती हुई बरहज छठ घाटों पर पहुंची। दोपहर से ही सरयू किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। खरना करने के बाद व्रतियों द्वारा पहला अर्घ्य दिया गया है। गुरुवार को को व्रतियां उदयगामी सूर्य को दूसरा व अंतिम अर्घ्य देकर व्रत खोलेंगी और इसके साथ छठ पर्व का समापन हो जाएगा।

नहाय-खाय के साथ आस्था का महापर्व छठ शुरू हो जाता है और चार दिन तक श्रद्धालुओं द्वारा छठ मैय्या की पूजा अर्चना की जाती है। खरना के बाद व्रतियों का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। गुरुवार को बरहज क्षेत्र की व्रतियों ने सरयू नदी तट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। विधि-विधान के साथ पूजा की थाली में श्रद्धालुओं ने प्रसाद रखा। जैसे-जैसे सूर्यास्त होता रहा व्रतियों ने उसी तरफ सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान नगर पालिका प्रशासन द्वारा प्रत्येक घाटों पर पर्याप्त साफ सफाई व रोशनी की व्यवस्था की गई थी, वहीं अमृत लाल बिंद, एसडीएम ध्रुव कुमार शुक्ला , सीओ देव आनंद व प्रभारी निरीक्षक टीजे सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर रखी , पुलिस के जवान हर मौके पर मुस्तैद दिखें जबकि नगरपालिका प्रशासन ने बिजली व साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखा।

कैराना पहुंच सीएम योगी ने कहा- अपराधियों की खैर नहीं, अगले ही दिन जमानत खत्म करवाकर खुद जेल चला गया कुख्यात गैंगस्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले कैराना समेत पश्चिमी यूपी के हिन्दू परिवारों के पलायन का मुद्दा जोर शोर से उठा था। अब 2022 से पहले एक बार फिर पलायन का मुद्दा सुर्खियों में है, लेकिन वजह इस बार हिन्दुओं का पलायन नहीं बल्कि अपराधियों को पलायन करनी की चेतावनी की वजह है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैराना में अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा था कि जिस किसी ने भी व्यापारी पर गोली चलाई, उसी गोली ने अपराधी की छाती को भेंदकर उसे दूसरे लोक पहुंचा दिया। योगी सरकार में आम लोगों के अच्छे दिन आए हों या नहीं लेकिन यूपी के अपराधियों और उपद्रवियों के बुरे दिन जरूर शुरु हो गए हैं। कट्टेबाजी और बमबाजी के लिए उत्तर प्रदेश एक अरसे से बदनाम रहा है। सरकार किसी की भी रही हो, तूती बंदूकबाजों की ही बोलती थी। लेकिन वक्त बदला और बदलते वक्त में यूपी में अपराधी कन्फ्यूज हो गए कि करें तो क्या करें। दरअसल, हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश के कैराना में ऐसा आलम देखने को मिला जब कुख्यात गैंगस्टर अपनी जमानत खत्म करवाकर खुद जेल पहुंच गया।

बता दें कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली के कैराना पहुंचे थे। जहां उन्होंने खौफ की वजह से पलायन करके जाने वाले हिन्दू परिवारों के वापस लौटने पर उनसे मुलाकात की थी। इसके साथ ही योगी ने अपराधियों को अंजाम भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा था कि जो भी अराजकता करने की कोशिश करेगा, दंगा करेगा, उसकी आने वाली पीढ़ियां भूल जाएंगी कि कैसे दंगा होता है।

खुद सरेंडर करने आ गया कुख्यात बदमाश

सीएम योगी के कैराना दौरे के बाद से बदमाशों में खलबली मच गई। सीएम योगी की दहाड़ के बाद बिल में छुपे अपराधी खुद सरेंडर करना शुरू कर चुके हैं। इन्हीं में से एक नाम कैराना का खौफ कहे जाने वाले फुरकान का है। फुरकान योगी की खौफ से ऐसा कंपकंपाया की पुलिस को खुद ब खुद सरेंडर करने आ गया। अगस्त 2014 में कैराना में सरेबाजार व्यापारी विनोद सिंघल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप कैराना के रहने वाले फुरकान पर लगा था। फुरकान पर लूट, हत्या, रंगदारी के करीब डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद फुरकान जमानत पर बाहर था। लेकिन सीएम योगी के कैराना दौरे के फौरन बाद वो अपनी जमानत तुड़वा कर खुद पहुंच गया।

सार समाचार

चौथी लहर से बचने के लिए बेल्जियम में सभी को दी जाएगी कोविड-19 बूस्टर खुराक

ब्रसेल्स।बेल्जियम के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कोविड-19 टीका की बूस्टर खुराक लेने के इच्छुक लोगों को बूस्टर टीका लगाने की योजना को मंजूरी दे दी है। देश के विभिन्न क्षेत्रों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों और 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को पहले ही बूस्टर खुराक दी जा रही है और अब युवाओं के लिए बूस्टर टीकाकरण अभियान शुरू करने की तैयारी की जाएगी। वहीं उन लोगों के लिए भी बूस्टर खुराक को मंजूरी दी गई है, जिन्होंने एक खुराक वाला जॉनसन एंड जॉनसन का टीका लिया है। यूरोप में बेल्जियम भले ही सबसे अधिक टीकाकरण दर वाले देशों में से एक है, लेकिन फिलहाल यह महामारी की चौथी लहर के प्रसार को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इंडो-पैसिफिक में शीत युद्ध के खिलाफ दी चेतावनी

वेलिंगटन। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि हिंद-प्रशांत में शीत युद्ध के दौर जैसी तनाव की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिये। चीन के राष्ट्रपति ने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच (एपेक) के वार्षिक सम्मेलन से इतर यह बात कही। उनका यह बयान क्षेत्र में अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया का एक नया सुरक्षा गठबंधन बनने के कई हफ्तों के बाद आया है। इस गठबंधन में ऑस्ट्रेलिया परमाणु पनडुब्बियों का निर्माण करेगा। चीन ने इस पूरे घटनाक्रम की कड़ी आलोचना की थी। शी ने न्यूजीलैंड की मेजबानी में डिजिटल माध्यम से आयोजित सम्मेलन में, पहले से रिकॉर्ड किए गएअपने वीडियो में कहा कि इस क्षेत्र में वैचारिक या भू-राजनीतिक आधार पर सीमाएं खींचने का प्रयास विफल हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''हिंद-प्रशांत में शीत युद्ध के दौर जैसी तनाव की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिये। शी ने यह भी कहा कि क्षेत्र को आपूर्ति लाइनों को चालू रखना चाहिए और व्यापार तथा निवेश को उदार बनाना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा, चीन आर्थिक विकास को गति देने के लिए सुधार और खुलेपन को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा।

अफगानिस्तान से भाग रहे हजारों लोग, ईरान में ले रहे शरण; शरणार्थी संकट बढ़ा

तेहरान। अफगानिस्तान से हजारों लोग भागकर रोजाना पड़ोसी देश ईरान में शरण ले रहे हैं और यह एक ऐसी स्थिति है, जिससे यूरोप में शरणार्थी संकट का मुद्दा गहराएगा। देश के एक शीर्ष सहायता अधिकारी ने यह जानकारी दी। नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) के महासचिव जेन इगलैंड ने इस सप्ताह अफगानिस्तान की सीमा से लगे पूर्वी ईरान के करमन प्रांत के समीप शरणार्थियों से मुलाकात की। उन्होंने आगाह किया है कि अगर अफगानिस्तान से शरण की तलाश में लोग भागकर ईरान आते रहे तो इससे यूरोप प्रभावित हो सकता है। बुधवार को अपने दौरे के अंतिम दिन इगलैंड ने तेहरान में एजेंसी से बातचीत में कहा कि तालिबान के शासन के बाद अफगानिस्तान से भाग रहे लोगों को उम्मीद, भोजन और देखभाल प्रदान करने के लिए काफी कुछ करने की जरूरत है।

स्पेसएक्स ने चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए किया रवाना

केप केनवरल (अमेरिका)। स्पेसएक्स ने चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना किया है। खराब मौसम सहित कई कारणों के चलते काफी विलंब के बाद आखिरकार बुधवार को स्पेसएक्स का रॉकेट इन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुआ। दो दिन पहले ही स्पेसएक्स अंतरिक्ष यान से चार अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को वापस पृथ्वी पर लेकर लौटा था। राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) ने बताया कि बुधवार को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए चार लोगों में जर्मनी के मैथियस मौरर भी शामिल हैं, जिन्हें अंतरिक्ष जाने वाला 600वां व्यक्ति करार दिया गया है। उन्हें और नासा के अन्य तीन अंतरिक्ष यात्रियों को 24 घंटे के अंदर अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच जाना चाहिए। खराब मौसम के कारण रॉकेट को उड़ान भरने में काफी देरी हुई थी। बुधवार रात बूंदाबांदी के बीच चार अंतरिक्ष यात्रियों ने अपने परिवार वालों को अलविदा कहा। मौसम वैज्ञानिकों ने मौसम के साफ होने का पूर्वानुमान लगाया था और उसमें सुधार आया भी।

भारत के इंजीनियर को अमेरिका में मिली है उम्रकैद की सजा, जानें क्या है गुनाह

नई दिल्ली। भारत के एक इंजीनियर को अमेरिका में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। भारतीय मूल के इस अमेरिकी के जुर्म के बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। भारतीय-मूल के अमेरिकी शंकर नागप्पा हंगुड ने नाटकीय ढंग से कबूल किया है कि उसने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की साल 2019 में हत्या कर दी थी। अदालत ने शंकर नागप्पा को उम्रकैद की सजा सुनाई है और उसे पैरोल की भी इजाजत नहीं दी गई है। जांचकर्ताओं ने बताया है कि 55 साल के हंगुड ने कबूल किया है कि कैलिफोर्निया के एक अपार्टमेंट में उसने कई दिनों के अंदर अपनी पत्नी और तीन बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। KCRA-TV ने बुधवार को अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि शंकर नागप्पा ने यह भी कबूल किया है कि वो अपने परिवार वालों की आर्थिक तौर से देखभाल कर पाने में असमर्थ था। हंगुड उस वक्त चर्चा में आया था जब उसने पुलिस के सामने खुद जा कर कबूल किया था कि उसने चार लोगों की हत्या की है। हंगुड ने रोजविले से करीब 320 किलोमीटर दूर माउंट साश्ता पुलिस डिपार्टमेंट में जाकर इन हत्याओं की बात कबूली थी। जिसके बाद इसे लेकर मीडिया में भी काफी कुछ कहा गया था। रोजविले पुलिस ने बाद में हंगुड की पत्नी और उसके दो बेटियों की लाश जंक्शन रोड स्थित अपार्टमेंट से बरामद की थी।

डोभाल के तालिबान प्लान से परेशान पाकिस्तान, चीन और रूस संग करेगा 'ट्रोइका प्लस' बैठक

बीजिंग। (एजेंसी)।

भारत की अगुवाई में मध्य एशिया के देशों ने मिलकर अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को लेकर मंथन किया। जिसमें हालात सुधारने को लेकर मिलकर पहल करने का ऐलान किया गया। इसके साथ ही इशारों-इशारों में पाकिस्तान को चेतावनी भी दी गई कि वो अफगानिस्तान को लेकर कोई गड़बड़ी करने के मुगालते में न रहे। जिसके बाद पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तान के मुद्दे पर मीटिंग बुलाई है। पाकिस्तान की मीटिंग में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को भी बुलावा दिया गया है। दिलचस्प बात ये है कि समयबद्ध कारणों का हवाला देते हुए भारत द्वारा आयोजित एनएसए मीटिंग से किनारा करने वाला चीन अपने दोस्त पाकिस्तान के बुलावे पर अफगानिस्तान पर एक बैठक में भाग लेगा। पड़ोसी देश अफगानिस्तान के हालात पर चर्चा के लिए पाकिस्तान 11 नवंबर को इस्लामाबाद में अमेरिका, चीन और रूस के वरिष्ठ राजनयिकों की मेजबानी करेगा। 'ट्रोइका प्लस' बैठक में सभी चार देशों के विशेष प्रतिनिधि भाग लेंगे।

इंडियन एक्सप्रेस की खबर के अनुसार यह पूछे जाने पर कि क्या चीन इस्लामाबाद में बैठक में भाग लेगा, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ÷चीन चीन-अमेरिका-रूस इस विस्तारित बैठक की मेजबानी में पाकिस्तान का समर्थन करता है और शांति को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल सभी अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का भी समर्थन करता है। अफगानिस्तान में स्थिरता आए इसके लिए सभी पक्षों के बीच आम सहमति बनाना महत्वपूर्ण है।

इस्लामाबाद में ट्रोइका प्लस की बैठक को लेकर पाक अधिकारियों का कहना है कि अफगान अधिकारियों संग जुड़ाव के लिए ये एक महत्वपूर्ण मंच है और ये समावेशी सरकार के लिए समर्थन व्यक्त करेगा। पाकिस्तान की तरफ से कहा हया है कि वो मानवाधिकार, महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा पर बात करेगा। इस बैठक में शामिल होने के लिए अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भी इस्लामाबाद आए हैं।

गौरतलब है कि भारत ने अफगानिस्तान मसले पर सात देशों के एनएसए संग बैठक

की थी। जिससे चीन और पाकिस्तान ने किनारा किया था। भारत की पहल पर रूस और ईरान समेत आठ देशों के साथ एनएसए स्तर की बैठक (दिल्ली डॉयलाग) के बाद अफगानिस्तान के कई मुद्दों पर आम सहमति बनाई। सभी देशों ने अफगानिस्तानि को सहयोग करने पर हामी भरी। 8 देशों ने साझा बयान जारी करते हुए कहा कि अफगानिस्तान की धरती का आतंकवाद के लिए इस्तेमाल न हो।

अमेरिका में भारतीय मजदूरों को दिया जा रहा लालच, मंदिरों में कम रकम देकर करवा रहे काम

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अमेरिका में एक प्रमुख हिंदू संगठन को एक अद्यतन मुकदमे में नए आरोपों का सामना करना पड़ रहा है कि उसने भारत से आए मजदूरों को लालच दिया और सैकड़ों श्रमिकों को देश भर में अपने मंदिरों में कम मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर किया। इस साल मई में, भारतीय श्रमिकों के एक समूह ने बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के खिलाफ मानव तस्करी एवं मजदूरी कानून के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अमेरिकी जिला न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया था। इसमें कहा गया था कि उन्हें रोका गया और न्यू जर्सी में विशाल स्वामीनारायण मंदिर के निर्माण के लिए लगभग एक डॉलर की मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर किया गया। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' समाचार-पत्र ने बुधवार को एक खबर में बताया गया कि न्यू जर्सी संघीय अदालत में दायर वाद में पिछले महीने संशोधन किया गया था।

इसमें बीएपीएस पर 'भारत से मजदूरों को

अटलांटा, शिकागो, ह्यूस्टन और लॉस एंजिलिस के आस-पास के और न्यू जर्सी के रॉबिन्सविले के मंदिरों में महज 450 डॉलर प्रति माह की मजदूरी पर काम कराने के लिए फुसलाकर लाए जाने' का आरोप है। खबर में कहा गया, 'संशोधित मुकदमे में देश भर के मंदिरों को शामिल करने के आरोपों को और व्यापक किया गया जिसमें कुछ और लोगों ने कहा कि उन्हें भी काम पर भेजा गया था। वाद में आरोप है कि सैकड़ों श्रमिकों का संभवतः शोषण किया गया।' न्यूयॉर्क टाइम्स की मई की खबर में कहा गया था कि शिकायत में उन छह लोगों के नाम हैं जो धार्मिक वीजा 'आर-1 वीजा' पर 2018 की शुरुआत से अमेरिका लाए गए करीब 200 भारतीय नागरिकों में शुमार थे। इसमें कहा गया था कि 'न्यू जर्सी वाले मंदिर निर्माण स्थल पर इन लोगों से अक्सर खतरनाक परिस्थितियों में कई घंटों÷ तक काम कराया जाता था। इंडिया सिविल वॉच इंटरनेशनल (आईसीडब्ल्यूआई) संगठन ने मई में पीटीआई-को दिए एक बयान में कहा था कि 11 मई को तड़के एफबीआई नीत छापेमारी में न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में स्वामीनारायण मंदिर परिसर से लगभग 200 श्रमिकों को निकाला गया, जिनमें से ज्यादातर दलित, बहुजन और आदिवासी थे। यह अमेरिका का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर माना जाता है। खबर में बताया गया कि संशोधित शिकायत में बीएपीएस के अधिकारियों पर, 'देश के श्रम कानूनों तथा धोखाधड़ी युक्त एवं भ्रष्ट संगठन निषेध कानून के उल्लंघन' का आरोप लगाया गया है।

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो लिबरल पार्टी में शामिल, फिर से चुने जाने पर है नजर

ब्रासीलिया। (एजेंसी)।

दो साल से बिना किसी राजनीतिक दल से जुड़ाव के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने 2022 में फिर से चुने जाने के लिए समर्थन पाने को लेकर मध्यमार्गी लिबरल पार्टी के साथ एक समझौता किया है। पार्टी की तरफ से जारी एक बयान में यह जानकारी साझा की गई। बयान में बुधवार को कहा गया कि राजधानी ब्रासीलिया में बोलसोनारो और लिबरल पार्टी के नेता वाल्देमार कोस्टा नेटो के बीच बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। पार्टी के अधिकारियों में राष्ट्रपति का औपचारिक नामांकन 22 नवंबर को होगा।

बोलसोनारो अपने प्रतिद्वंद्वी, पूर्व राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डि सिल्वा के खिलाफ लड़ने में सहायता पाने की मंशा से यह गठबंधन करना चाहते हैं। लूला, के रूप में प्रसिद्ध पूर्व राष्ट्रपति को शुरुआती चुनावों में बोलसोनारो पर अच्छी बढ़त हासिल है। तथाकथित 'सेंट्राओ' समूह का हिस्सा बनने वाली पार्टियों में से एक में शामिल होना भी बोलसोनारो का उनकी 2018 की अभियान रणनीति से हटने का संकेत देता है, जब उन्होंने समूह की प्राचीन राजनीतिक प्रथाओं की तीखी आलोचना की थी। स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ रियो डी जनेरियो में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर मौरिसियो सैंटोरो ने कहा, यह बहुत प्रतीकात्मक है कि कैसे बोलसोनारो ने ब्राजील की राजनीति के पारंपरिक खेल खेलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा पीएल (लिबरल पार्टी) बोलसोनारो की नैया पार लगाने में मदद कर रही है।

युद्धाभ्यास के दौरान मिसाइल मिसफायर होने की संभावना, 12 चीनी सैनिकों की हुई मौत: सूत्र

बीजिंग। (एजेंसी)।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास युध्याभ्यास के दौरान चीनी मिसाइल मिसफायर हो गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक मिसफायर हुई मिसाइल पीएलए के एक ट्रक से जा टकराई। जिसकी वजह से धमाका हुआ और 12 से ज्यादा सैनिकों की मौत हो गई।

चीनी सैनिक कर रहे युध्याभ्यास

चीनी सेना का मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, भारत ने एलओसी पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है और पहले से ज्यादा ताकतवर स्थिति पर पहुंच गया है लेकिन चीन से बेहतर नहीं है। इतना ही नहीं चीन ने यहां तक कहा कि कोरोना काल में भारत में ऑक्सीजन की किल्लत देखने को मिली था, जिसके बाद से वह हाई एल्टीट्यूड वाले इलाके में अपने सैनिकों के लिए भरपूर बंदोबस्त नहीं कर पा रहा होगा।

आपको बता दें कि सैनिकों की ऑक्सीजन का कोटा नागरिकों के कोटे से अलग होता है। ऐसे में सैनिकों के लिए ऑक्सीजन की किल्लत नहीं हुई है और न होगी। वहीं हाल ही में भारत ने एलओसी के पास युध्याभ्यास कर पड़ोसी मुल्क को यह दर्शा दिया है कि हम तैयार हैं।

वहीं चीन ने भी एलएसी के पास युध्याभ्यास किया है लेकिन वो उन्हीं के लिए काफी महंगा साबित हुआ है। सूत्रों ने बताया कि ट्रक में धमाका होने की वजह से 12 चीनी सैनिकों की मौत हो गई है। माना जा रहा है कि चीन की मिसाइल अनियंत्रित हो गई और उन्हीं के ट्रक से जा टकराई। जिसकी वजह से ट्रक पलट गया और 12 सैनिकों की मौत हो गई।

मलाला यूसुफजई की शादी पर पुराना बयान हुआ वायरल, ट्विटर यूजर्स ने बुरी तरह किया ट्रोल और बनाए मीम्स

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

तालिबान के खिलाफ अपनी आवाज बुंलद करने वाली मलाला यूसुफजई ने एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की हुई है। हमेशा से लड़कियों की शिक्षा के विरोध में रहने वाला तालिबान का वर्चस्व अब पूरे अफगानिस्तान में फैल गया है। बता दें कि, साल 2012 में तालिबानी ने मलाला के सिर पर गोली मारी थी क्योंकि मलाला ने लड़कियों के स्कूल जाने के लिए अपनी आवाज उठाई थी। मलाला का इलाज ब्रिटेन में हुआ और देश-विदेश की दुआओं के बाद वह स्वस्थ अपने घर वापस लौटीं और साल 2014 में यूसुफजई नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति बनीं।

24 साल की मलाला ने किया निकाह

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के महाप्रबंधक उच्च प्रदर्शन से शादी की है। 24 वर्षीय मलाला ने अपनी शादी की तस्वीरें भी अपलोड कीं, जहां बहुत से लोगों ने नवविवाहितों की तस्वीरों को पसंद किया है और उन्हें शुभकामनाए भी दी। मलाला यूसुफजई ने तस्वीरें शेयर करते हुए ट्वीट

किया, ''आज मेरी जिंदगी का बेहद अनमोल दिन है। मैं और असर जीवनभर के साथी बन गए हैं। हमने अपने परिवारों की मौजूदगी में बर्मिंघम में निकाह किया। हमें आशीर्वाद दीजिए। हम आगे का रास्ता साथ मिलकर तय करने के लिए उत्साहित हैं।''

वायरल हो रही मलाला की शादी को लेकर पुरानी टिप्पणियां

जानकारी के लिए बता दें कि, जून में ब्रिटिश मैगजीन वोग से बात करते हुए मलाला ने शादी को लेकर एक टिप्पणी कि थी जो कि अब काफी वायरल हो रही है। मलाला ने कहा था कि, 'मुझे अब भी समझ नहीं आता कि लोगों को शादी क्यों करनी पड़ती है। यदि आप अपने जीवन में एक व्यक्ति चाहते हैं, तो आपको शादी के कागजात पर हस्ताक्षर करने की क्या जरूरत है, यह सिर्फ एक साझेदारी क्यों नहीं हो सकती? अब इस कमेंट को लेकर ट्विटर यूजर्स ने मलाला को बुरी तरह ट्रोल किया और कई मीम्स भी बनाए है।

इस्लाम में हराम है क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल, इस्लामिक संस्था ने विरोध में जारी किया फतवा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडोनेशिया की इस्लामिक संस्था ने क्रिप्टो करेंसी को लेकर फतवा जारी किया है। इंडोनेशिया की उलेमा कार्उंसिल की तरफ से कहा गया है कि क्रिप्टो करेंसी का इस्तेमाल करना इस्लाम में हराम है। हालांकि इस्लामिक संस्था की तरफ से यह भी कहा गया है कि इसके तहत डिजिटल संपत्ति की ट्रेडिंग की अनुमति दी जा सकती है। इंडोनेशिया में दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम रहते हैं। गुरुवार को संस्था की तरफ से कहा गया कि क्रिप्टो को करेंसी की तरह इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगाई जाती है। लेकिन इसमें निवेश और डिजिटल टोकन की ट्रेडिंग कमोटिडी में की जा सकती है।

संबंधित मंत्रालय की तरफ से इससे पहले बताया गया था कि कमोडिटी के क्षेत्र में क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग की वैल्यू अभी 370 ट्रिलियन है। साल 2020 के अंत तक कुल ट्रेडिंग 65 ट्रिलियन रुपए तक थी। ट्रेडर्स की संख्या भी 4 मिलियन से बढ़कर 6.5 मिलियन तक पहुंच गई है। इस्लामिक संस्था के धार्मिक हुक्मनामा

प्रमुख एसरोरुन नियाम सोलेह ने कहा कि शरीया कानून के मुताबिक भुगतान के लिए क्रिप्टो करेंसी हराम है क्योंकि यह अस्थिर और नुकसानदेह है। इसके इस्तेमाल से कानून का उल्लंघन होता है।

कमोडिटी के तौर पर क्रिप्टो करेंसी की ट्रेडिंग भी कानून के खिलाफ है। इस्लामिक संस्था ने इसे जुआ बताया है क्योंकि यह इस्लाम के नियमों से ताल्लुक नहीं रखता। हालांकि, संस्था ने क्रिप्टो करेंसी की ट्रेडिंग की अनुमति फिलहाल दी है जिसमें संपत्ति का पता हो और मुनाफे के बारे में जानकारी दी गई हो।

नेल्सन मंडेला को किया था आजाद, साउथ अफीका के अंतिम श्वेत राष्ट्रपति डी क्लार्क का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साउथ अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति एफडब्ल्यू डी क्लार्क का निधन हो गया है। 85 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति ने अंतिम सांस ली है। एक प्रवक्ता ने बताया कि वो लंबे समय से कैंसर जैसी समस्या से जूझ रहे थे। डी क्लार्क सितंबर 1989 और मई 1994 के बीच यहां राष्ट्रपति रहे। पूर्व राष्ट्रपति डी क्लार्क फाउंडेशन ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने घर पर ही अंतिम साल ली। एफडब्ल्यू डी क्लार्क Mesothelioma कैंसर से पीड़ित थे। एफडब्ल्यू डी क्लार्क को साउथ अफ्रीका के अंतिम श्वेत राष्ट्रपति के तौर पर भी जाना जाता है। पूर्व राष्ट्रपति एफडब्ल्यू डी क्लार्क की पत्नी का नाम एलिता है। उनके घर में अभी पत्नी के अलावा उनके बेटे जेन और सुसान के अलावा उनके पोते भी हैं। डी क्लार्क के शासनकाल में ही नेल्सन मंडेला को आजाद किया गया था। इन दोनों ने मिलकर देश से नस्लभेद को खत्म करने में अहम भूमिका अदा की थी। नेल्सन मंडेला साउथ अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने थे। डी क्लार्क को साल 1983 में नोबेल पुरस्कार से भी नवाजा गया था। साउथ अफ्रीका में प्रजातंत्र को स्थापित करने के लिए किये गये उनके शांतिपूर्ण प्रयासों को देखते हुए उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया था।

सुविचार स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है। - विनोबा भावे

संपादकीय

आरोप की राजनीति

हर राजनीति की अपनी भाषा होती है और भाषा से भी बड़ी बात है लोकतांत्रिक जिम्मेदारी। कोई भी सूचना या विचार या भाव समाज को सौंपने से पहले किसी भी राजनेता को यह जरूर सोचना चाहिए कि उसका यह कृत्य हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। राजनेता जो बोलते हैं, उससे ही राजनीति का स्तर तय होता है। राजनीति में विचार और व्यवहार, दोनों ही शामिल हैं। वैसे तो आरोप-प्रत्यारोप की होड़ में पूरी राजनीतिक बिरादरी ही लगी नजर आती है, लेकिन इधर जो महाराष्ट्र में सुनने को मिल रहा है, वह बहुत ही दुखद और शर्मनाक है। एनसीपी नेता नवाब मलिक और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के बीच खुलकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। आरोप बहुत गंभीर हैं और स्थापित प्रक्रिया के तहत सरकार को जांच व कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार में शामिल वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने प्रेस वार्ता कर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोपों की झड़ी लगा दी। नवाब मलिक ने पहले दावा किया था कि वह 'हाइड्रोजन बम' गिराएंगे, लेकिन उन्होंने जो आरोप लगाए हैं, उसे भाजपा ने फुलझड़ी करार दिया है। हालांकि, आरोप ऐसे नहीं हैं कि जिन्हें फुलझड़ी कहकर भुला दिया जाए। किसी नेता का नाम फर्जी मुद्रा, अंडरवर्ल्ड से जुड़कर सामने आए, तो चिंता वाजिब है। क्या हमारी राजनीति ऐसे आरोपों को वाकई फुलझड़ी मानती है? दूसरी ओर, नवाब मलिक की पार्टी की तो महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार चल रही है, उन्हें हाइड्रोजन बम जैसे जुमले की जरूरत क्यों पड़ रही है, क्या वह सीधे अपनी सरकार से कार्रवाई के लिए नहीं कह सकते हैं? ऐसे आरोपों के लिए प्रेस वार्ता की क्या जरूरत है? क्या राजनीति में आरोप लगाने को सामान्य बात मान लिया गया है? क्या आरोपों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है? क्या गंभीरतम अपराधों को लेकर भी पार्टियां गंभीर नहीं हैं? क्या आरोप लगाए ही इसलिए जाते हैं, ताकि प्रत्यारोप लगें और लोगों का ध्यान बुनियादी मुद्दों से हट जाए? महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध लेखक जॉर्ज बर्नाड शॉ की पंक्तियों को ट्वीट किया है। इसका अर्थ है, 'मैंने बहुत समय पहले सीखा था, कभी शूकर से लड़ाई मत करो। इससे आप गंदे हो जाओगे, लेकिन शूकर इसे पसंद करेंगे।' यह भारतीय राजनीति के लिए एक दुखद उद्धरण है और इसके पीछे के गुस्से को समझा जा सकता है। फिर भी ऐसा तीखा प्रहार सहनीय नहीं है। राजनीति लोकहित में होनी चाहिए। लोकहित की राजनीति का अभाव हो रहा है, इसलिए स्वार्थ की राजनीति की जरूरत पड़ रही है। स्वार्थ की चिंता है, इसलिए व्यक्तिगत हमले सूझ रहे हैं। समाज की चिंता होती, तो लोकलाज की भी होती। नवाब मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि फडणवीस ने साल 2016 में हुई नोटबंदी के बाद राज्य में जाली नोटों के धंधे को संरक्षण दिया था। उन्होंने कहा कि यह सब फडणवीस ने समीर वानखेड़े की मदद से किया था। मतलब, आज के राजनेता न केवल एक तीर से कई निशाने साधना चाहते हैं, बल्कि गंभीर शिकायत लेकर पुलिस के पास नहीं, बल्कि प्रेस और सोशल मीडिया पर आते हैं। क्या इससे राजनीति की गंभीरता कम नहीं होती है? पूर्व मुख्यमंत्री ने जो जवाबी हमला बोला है, उसमें भी कुछगंभीर आरोप हैं। क्या महाराष्ट्र सरकार इन तमाम आरोपों की सही जांच कराने जा रही है?

व्यापार की प्रेरणा

जग्गी वासुदेव

मैं जानता हूं कि किसी उद्यमी के लिए पैसा बहुत मायने रखता है, पर आपके पास पैसा केवल इसलिए नहीं आता कि आप उसे पाना चाहते हैं। यह आपके पास तब आता है जब आप कुछ अच्छे से करते हैं। अगर आप केवल पैसे के बारे में सोचते हैं, तो मेरे हिसाब से, प्रक्रिया की बजाय केवल नतीजे में आपकी रु चि है। जो लोग प्रक्रिया की बजाय केवल नतीजों में रु चि लेंगे, वे केवल उसके सपने देखेंगे और उसे पूरा नहीं कर पाएंगे। आप कितना पैसा कमाना चाहते हैं, इस बारे में लगातार सोचने की बजाय, अगर आप यह देखें कि आप क्या बनाना चाहते हैं और अगर आपकी रचना सही मायनों में अच्छी हुई, तो पैसा अपने-आप आएगा। अपने जीवन के अंत में, आप अपने साथ कुछ नहीं ले जा सकते। केवल यही बात मायने रखेगी कि आपने क्या रचा। अगर आप आधुनिक सफल व्यवसायियों को देखें जैसे नारायण मूर्ति आदि, तो इन लोगों ने कभी पैसे की परवाह नहीं की। वे कुछ रचना चाहते थे। उन्होंने कुछ ऐसा रचा, जो सबके लिए उपयोगी था इसलिए पैसा सहज भाव से खुद ही आने लगा। सबसे जरूरी ये है, कि अगर आप कुछ ऐसा रच रहे हैं जिसे आप मूल्यवान समझते हैं, अगर आप कुछ ऐसा रच रहे हैं जो सभी के लिए उपयोगी हो सकता है, तो आपको उसे रचने का भरपूर आनंद आएगा। एक उद्यमी केवल इसलिए उद्यमी बनता है क्योंकि वह कुछ ऐसा रचना चाहता है जो उसके हिसाब से होना चाहिए। अगर आप कुछ बनाना चाहते हैं, तो पैसा उसका एक अंग है। पैसे बिना कोई काम ठीक से नहीं हो सकता। तो पैसा, आपके काम को पूरा करने की सामग्री मात्र है। जिस तरह बाकी सामानों के लिए मैनेजर होते हैं, उसी तरह आपको पैसों के लिए मैनेजर की जरूरत है। आप कितना धन कमाते हैं, यह समय पर निर्भर करेगा। वर्तमान की सफल गाथाएं जैसे इंफोसिस आदि, इतिहास के एक निश्चित समय से जुड़ी है। एक निश्चित समय में, निश्चित तकनीकों और बदलावों ने, उन चीजों को संभव होने में मदद की। इसलिए आपको उन्हीं चीजों के लिए कोशिश नहीं करनी चाहिए। आपको देखना है कि वह क्या चीज है जिसे आप बनाना चाहते हैं, आप लोगों के जीवन में किस तरह का योगदान करना चाहते हैं। अगर आप वास्तव में लोगों के जीवन में एक बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं, तो आपको पैसा गिनने की क्या जरूरत है?

प्लास्टिक कचरे के भयावह खतरे

- योगेश कुमार गोयल

पर्यावरण के लिए प्लास्टिक पूरी दुनिया में बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इसीलिए इसका उपयोग सीमित करने और कई प्रकार के प्लास्टिक पर प्रतिबंध की मांग उठती रही है। भारत में भी ऐसी ही मांग निरंतर होती रही है। समय-समय पर इसके लिए अदालतों द्वारा सख्त निर्देश भी जारी किए जाते रहे हैं किन्तु इन निर्देशों की पालना कराने में सख्ती का अभाव सदैव स्पष्ट परिलक्षित होता रहा है। यही कारण है कि लाख प्रयास के बावजूद प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में सफलता नहीं मिल पा रही है। इसका अनुमान इन आंकड़ों से भी लगाया जा सकता है कि भारत में 1990 में पॉलीथीन की जो खपत करीब बीस हजार टन थी, वह अगले डेढ़ दशकों में ही कई गुना बढ़कर तीन लाख टन से भी ज्यादा हो गई। 10 अगस्त 2017 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के तत्कालीन चेयरपर्सन स्वतंत्र कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने अपने एक अहम फैसले में दिल्ली में 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाली नॉन बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाते हुए सरकार को एक सप्ताह के भीतर ऐसे प्लास्टिक के सारे भंडार को जब्त करने का आदेश देते हुए कहा था कि दिल्ली में अगर किसी व्यक्ति के पास से प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद होते हैं तो उसे पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 5 हजार रुपये की राशि भरनी होगी। देश के बीस से भी अधिक राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर इसी तरह के नियम लागू हैं लेकिन विडंबना है कि सख्ती के अभाव में इतना समय बीत जाने के बाद भी दिल्ली तथा देश के अन्य तमाम राज्यों में पॉलीथीन का उपयोग बदस्तूर जारी है। अगर देश में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग में कमी नहीं आ रही है तो इसका सीधा और स्पष्ट अर्थ यही है कि इनके उत्पादन, बिक्री और उपयोग को लेकर संबंधित विभागों का रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रहा है। अक्सर देखा जाता है कि हमारी छोटी-बड़ी लापरवाहियों और कचरा प्रबंधन प्रणालियों की खामियों की वजह से पॉलीथीन या अन्य प्लास्टिक कचरा नालियों में भरा रहता है, जो नालियां, ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम को ठप्प कर देता है। यही कचरा अब नदियों के बहाव को अवरुद्ध करने में भी सहायक बनने लगा है, जो अब थोड़ी सी ज्यादा बारिश होते ही जगह-जगह बाढ़ जैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से बताया है कि किस प्रकार 1988 और 1998 में बांग्लादेश में आई भयानक बाढ़ का कारण यही प्लास्टिक ही था क्योंकि नालियों या नालों में प्लास्टिक जमा हो जाने से वहां के नाले जाम हो गए थे और इसीलिए इससे सबक लेते हुए बांग्लादेश में 2002 से प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आयरलैंड में प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर 90 फीसदी टैक्स लगा दिया गया, जिसके चलते इनका इस्तेमाल बहुत कम हो गया। आस्ट्रेलिया में सरकार की अपील से ही वहां इन थैलियों के इस्तेमाल में 90 फीसदी कमी आई। अफ्रीका महाद्वीप के देश रवांडा में प्लास्टिक बैग बनाने, खरीदने और इस्तेमाल करने पर जुर्माने का प्रावधान है। फ्रांस ने 2002 में प्लास्टिक पर पाबंदी लगाने का अभियान शुरू किया और 2010 में इसे पूरे देश में पूरी तरह से लागू कर दिया गया। न्यूयॉर्क शहर में रिसाइकल नहीं हो सकने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा है। चीन, मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, इटली इत्यादि देशों ने प्लास्टिक कचरे के आयात पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए हैं। चीन विश्व का सबसे बड़ा प्लास्टिक कचरा आयातक देश रहा है लेकिन उसने भी कुछ समय पहले 24 श्रेणियों के ठोस प्लास्टिक कचरे के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्लास्टिक पर पाबंदी के लिए चरणबद्ध तरीके से भारत में भी इसी प्रकार के सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है। हालांकि वर्ष 2022 तक देश को 'सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त भारत' बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 1 जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने का निर्णय लिया जा चुका है लेकिन फिलहाल भारत न केवल दुनिया के सर्वाधिक प्लास्टिक कचरा आयात करने वाले देशों में शामिल है बल्कि यहां प्रतिदिन बहुत बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा भी उत्पन्न होता है। हालांकि भारत द्वारा भी 'खतरनाक अपशिष्टों के प्रबंधन और आयात से जुड़े नियम 2015' में संशोधन करते हुए 1 मार्च 2019 को ठोस प्लास्टिक के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था किन्तु इन नियमों में कुछ खामियों के चलते अभी भी देश में प्लास्टिक कचरे के आयात को छूट मिल रही है। इसी का फायदा उठाकर प्लास्टिक की खाली बोतलों को महीन कचरे के रूप में आयात किया जा रहा है। दुनियाभर में सर्वाधिक प्लास्टिक स्क्रैप खरीदने वाले देशों पर नजर डालें तो वियतनाम पैकेजिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला 'पॉलियोलिफिन' 44716 मीट्रिक टन तथा बॉटलिंग में इस्तेमाल होने वाला 'पीईटी' 18384 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष आयात करता है जबकि भारत प्रतिवर्ष करीब 88155 मीट्रिक टन 'पॉलियोलिफिन' तथा 5101 मीट्रिक टन 'पीईटी' आयात करता है। ऐसे ही अन्य देशों में मलेशिया द्वारा 37778 मीट्रिक टन 'पॉलियोलिफिन' तथा 13551 मीट्रिक टन 'पीईटी', थाईलैंड द्वारा 10153 मीट्रिक टन 'पॉलियोलिफिन' तथा 18384 मीट्रिक टन 'पीईटी', ताइवान द्वारा 16575 मीट्रिक टन 'पॉलियोलिफिन' तथा तुर्की द्वारा 5354 मीट्रिक टन 'पीईटी' आयात किया जाता है। भारत में प्रतिवर्ष एक लाख इक्कीस हजार टन से भी ज्यादा प्लास्टिक कचरा अमेरिका, पश्चिम एशिया तथा यूरोप के 25 से भी ज्यादा देशों से आयात किया जाता है। इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर के आंकड़ों के अनुसार 2017 के मुकाबले 2018 में भारत में प्लास्टिक आयात करीब 16 फीसदी बढ़ गया था, जो 15 बिलियन डॉलर को भी पार कर गया था। देश में प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होने के आंकड़ों पर नजर डालें तो इसमें सबसे बड़ा योगदान दिल्ली का रहता है, जहां पूरे दिन जमा होने वाले तमाम तरह के कचरे में 10.14 फीसदी हिस्सा प्लास्टिक कचरे का ही होता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा 2015 में एकत्रित किए गए आंकड़ों के आधार पर जारी रिपोर्ट के अनुसार देशभर में प्रतिदिन 25940 टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से देश के कुल 60 शहरों का ही योगदान 4059 टन का रहता है। दिल्ली में सर्वाधिक 689.52 टन, चेन्नई में 429.36, मुम्बई में 408.27, बेंगलुरू में 313.87, हैदराबाद में 119.33 टन प्लास्टिक कचरा रोजाना पैदा होता है। एक अन्य जानकारी के अनुसार 2017-18 में देशभर में कुल साढ़े छह लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पादित हुआ था। इस प्लास्टिक कचरे में सबसे बड़ा योगदान खाली प्लास्टिक बोतलों का होता है। सीपीसीबी के अनुसार 2015-16 में भारत में लगभग 900 किलो टन प्लास्टिक बोतलों का उत्पादन किया गया था। चिंता की बात यह है कि प्रतिदिन निकलने वाले प्लास्टिक कचरे का लगभग आधा हिस्सा या तो नालों के जरिये जलाशयों में मिल जाता है या गैर-शोधित रूप में किसी भू-भाग पर पड़ा रहकर धरती और वायु को प्रदूषित करता है।

आंवला नवमी और कनकधारा स्तोत्र

कार्तिक शुक्ल नवमी अर्थात् आंवला नवमी वह दिन है जब आदिगुरु शंकराचार्य ने एक वृद्ध महिला की सहायता करने के लिए स्वर्ण के आंवलों की वर्षा करवाई थी। इसलिए भी आंवला नवमी का महत्व है। यह दिन लक्ष्मी की प्राप्ति का दिन भी है। इस दिन कई लोग लक्ष्मीपूजन भी करते हैं। इस दिन शंकराचार्य ने कनकधारा स्तोत्र की रचना की थी। इस वर्ष आंवला नवमी 12 नवंबर 2021 को है।

कथाओं के अनुसार एक बार जगद्गुरु आदि शंकराचार्य भिक्षा मांगने एक गांव में गए। वहां एक कुटिया के सामने जाकर भिक्षाम देहि की आवाज लगाई। वहां एक वृद्धा औरत अकेली रहती थी। वह अत्यंत गरीब थी। अपने लिए एक वक्त का भोजन भी बड़ी मुश्किल से जुटा पाती थी। कभी-कभी तो उसे भूखा ही सोना पड़ता था। शंकराचार्य की आवाज सुनकर वह वृद्धा बाहर आई। उसके हाथ में एक सूखा आंवला था। वह बोली महात्मन मेरे पास इस सूखे आंवले के सिवाय कुछ नहीं है जो आपको भिक्षा में दे सकूं। शंकराचार्य को उसकी स्थिति पर दया आ गई और उन्होंने उसी समय उसकी मदद करने का प्रण लिया। उन्होंने अपनी आंखें बंद की और मंत्र रूपी 22 श्लोक बोले।

ये 22 श्लोक कनकधारा स्तोत्र के श्लोक थे। इससे प्रसन्न होकर मां लक्ष्मी ने उन्हें दिव्य दर्शन दिए और कहा कि शंकराचार्य, इस औरत ने अपने पूर्व जन्म में कोई भी वस्तु दान नहीं की। यह अत्यंत कंजूस थी और मजबूरीवश कभी किसी को कुछ देना ही पड़ जाए तो यह बुरे मन से दान करती थी। इसलिए इस जन्म में इसकी यह हालत हुई है। यह अपने कर्मों का फल भोग रही है इसलिए मैं इसकी कोई सहायता नहीं कर सकती। शंकराचार्य ने देवी लक्ष्मी की बात सुनकर कहा- हे महालक्ष्मी इसने पूर्व जन्म में अवश्य दान-धर्म नहीं किया है, लेकिन इस जन्म में इसने पूर्ण श्रद्धा से मुझे यह सूखा आंवला भेंट किया है। इसके घर में कुछ नहीं होते हुए भी इसने यह मुझे सौंप दिया। इस समय इसके पास यही सबसे बड़ी पूंजी है, क्या इतनी भेंट पर्याप्त नहीं है। शंकराचार्य की इस बात से देवी लक्ष्मी प्रसन्न हुई और उसी समय उन्होंने गरीब महिला की कुटिया में स्वर्ण के आंवलों की वर्षा कर दी।

लेखक आचार्य श्री सत्यम व्यास जी वाराणसी(काशी) उत्तरप्रदेश

सू-दोकू नवताल -1958

5		4			2	8		9
	3			4			7	6
			7		5			
	9		3					7
3		1				4		5
8					6		2	
			4		1			
4	5			2			1	
7		3	8			2		4

सू-दोकू 1957 का हल

6	1	5	7	9	3	4	2	8
9	8	7	2	4	1	6	5	3
4	3	2	8	5	6	7	9	1
7	4	1	3	8	5	2	6	9
2	6	8	9	7	4	1	3	5
3	5	9	6	1	2	8	7	4
5	7	4	1	6	9	3	8	2
8	9	3	4	2	7	5	1	6
1	2	6	5	3	8	9	4	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1958

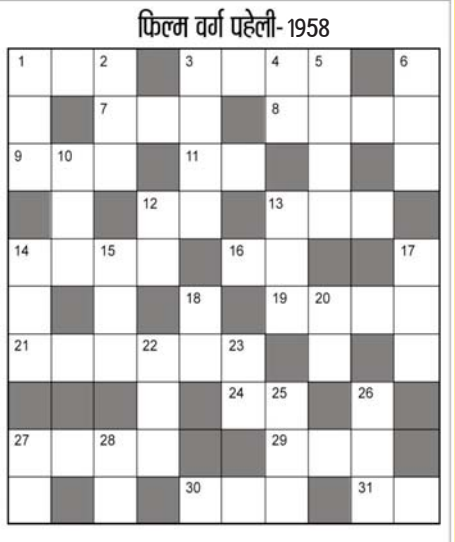

बायें से दायें:-

1. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-3
3. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-4
7. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-3
8. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-4
9. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-2,1
11. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-2
12. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-2
13. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-3
14. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
16. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-2
19. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-4
21. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-3,1,2
24. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-4
29. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-3
30. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-3
31. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-3
2. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-2,1
3. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-4
4. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-2
5. 1994 में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-4
6. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-3
10. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-3
12. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-2
13. राजकुमार, मीना की फिल्म-3
14. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-3
15. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
17. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-3
18. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-2
20. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-2
22. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-3
23. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-2
25. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-3
26. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-3
27. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
28. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1957

गुलाबी मौसम में जरा बच के...

मौसमी बदलाव की आहट आ चुकी है। सुबह-शाम ठंड और प्रदूषण वाली हल्की धुंध भी असर दिखाने लगी है। इसके साथ ही शुरू हो गई हैं सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं। लापरवाही के चलते किसी को सर्दी-जुकाम या चेस्ट कंजेशन जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो कुछ लोग ठंड की वजह से जॉगिंग बंद करने से परेशान हैं। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस बदलते मौसम में फिट रख सकती है

घर पर करें वॉर्मअप

अगर आपको डायबीटीज, अस्थमा या दिल की बीमारी है तो सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय कोहरे के साथ प्रदूषण मिलकर पूरे वातावरण में फैल जाता है। इस दौरान बाहर निकलने से सांस के जरिए प्रदूषण फेफड़ों तक पहुंचकर कंजेशन बढ़ा सकता है।

इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है या अस्थमा का अटैक आने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में या तो धूप खिलने और आसमान साफ होने के बाद जॉगिंग या एक्सरसाइज के लिए बाहर निकलें या घर में ही एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस मौसम में दो तरह की एक्सरसाइज आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

1. कॉर्डियोवेस्कुलर वर्कआउट

सर्दियों में शरीर में जमने वाले एक्स्ट्रा फैट का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है। एम्स में मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रफेसर डॉ. एबी. डे का कहना है कि यह फैट दिल की धड़कनों पर बुरा असर डालता है। ऐसे में दिल से जुड़ी बीमारियों की आशंका इस मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। वजन बढ़ने की समस्या भी इसी मौसम में ज्यादा होती है। इस तरह की परेशानी से निबटने के लिए आप घर पर ही कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग से जुड़ी आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसमें आपको 20 मिनट या इससे थोड़ा ज्यादा समय तक ऐसे व्यायाम करने होंगे, जो आपके दिल की धड़कनों को सामान्य से काफी तेज कर दें। घर पर आजमाई जाने वाली कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग के तहत अपनी जगह पर ही खड़े होकर जॉगिंग कर सकते हैं, रस्सी कूद सकते हैं, लगातार 20 से 25 बार उछल सकते हैं, घर की सीढ़ियों पर दो-तीन बार तेजी से ऊपर-नीचे कर सकते हैं। आप इनमें से हर एक को आजमा सकते हैं। हर तरह की एक्सरसाइज को 5-5 मिनट के लिए किया जा सकता है। ये तरीके आपके बाहर निकलने की परेशानी को भी दूर कर देंगे, साथ ही आपके दिल को हमेशा जवां रखेंगे।

2. मांसपेशियों व जोड़ों से जुड़ा वर्कआउट

सर्दियों में मांसपेशियों का जकड़ जाना भी आम समस्या है। इसके अलावा, इस मौसम में जोड़ों के दर्द की परेशानी भी देखने को मिलती है। इसके लिए घर पर ही कुछ खास तरह की एक्सरसाइज के जरिए इन्हें दूर किया जा सकता है। मांसपेशियों के जकड़ जाने पर उन्हें व्यायाम के जरिए ही आराम पहुंचाया जा सकता है। पुशअप और पुलअप मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने का आसान तरीका है। इसके लिए कहीं भी बाहर निकलने की जरूरत नहीं है। इसके साथ घर पर ही एक्सरसाइज के कुछ खास उपकरणों के जरिए भी मांसपेशियों की जकड़न को दूर किया जा सकता है। डंबल से वॉर्मअप किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए आपको व्यायाम के लिए अलग से वक्त भी नहीं निकालना है। काम करते हुए भी कुछ मिनट का ब्रेक लें और बैठे-बैठे ही हाथ और पैरों के जोड़ को घुमाते रहें।

अपनाएं ये टिप्स

- कपड़ों का खास ध्यान रखें, अगर सुबह बाहर निकलते हैं तो गर्म कपड़े साथ रखें ताकि ठंड लगने पर उनका इस्तेमाल कर सकें।
- सुबह देर से घर से निकलने वाले अक्सर लापरवाही का शिकार होते हैं। देर शाम घर लौटते वक्त मौसम ठंडा हो जाता है, लेकिन दिन की गर्मी देखकर आप गर्म कपड़े आपने साथ नहीं रखते। ऐसी गलती न करें।
- अगर डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर या अस्थमा जैसी समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर मौजूदा मौसम के हिसाब से दवाओं के डोज आदि की जानकारी लें और दवाएं नियमित लें।
- बाइक चलाते वक्त विंड शीटर और मफलर का इस्तेमाल करें, क्योंकि सीने और नाक-कान के जरिए ठंडी हवा शरीर तक पहुंचने से समस्या बढ़ती है।
- बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता युवा लोगों के मुकाबले कम होती है।
- ठंड में आपको प्यास का अहसास कम होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके शरीर को कम पानी की जरूरत होती है। ठंड में भी खूब सारा पानी पिएं।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। वायरल बेहद संक्रामक होता है। साफ-सफाई में हल्की-सी लापरवाही होने पर भी यह तेजी से एक-दूसरे तक फैलता है।

कैसा हो भोजन

भोजन हमारी मूल आवश्यकता है। इसके बगैर अधिक दिनों तक जीवित नहीं रहा जा सकता है, लेकिन वह कब, कैसे और कितना करना चाहिए, इस बारे में आमजनों को जानकारी नहीं है। परिणामस्वरूप उन्हें अपच, गैस, एसिडिटी कब्ज आदि की शिकायत होने लगती है। भोजन ऐसा हो जो शरीरी को पोषण प्रदान करें।

भोजन ऐसा हो जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्वों का समावेश हो यानी प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, खनिज, लवन तथा रेशा। भोजन में सलाद का होना जरूरी है, जिसमें ककड़ी, टमाटर, प्याज, चुकंदर, पत्तागोभी, मूली, गाजर आदि हो।

भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां अवश्य हो जैसे पालक, मेथी, बथुआ, मूली आदि इसके अलावा मौसमी सब्जियां, जैसे गिलकी, तुरई, भिंडी, पत्ता गोभी, फूल गोभी, लौकी, कद्दू, गवारफली, मटर, टिंडा, हरा चना, आलू, अरबी आदि।

दालों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें, जिसमें मूंग, तुअर, चना, मसूर की दाल शामिल है। उड़द की दाल का सेवन कम करें।

कब न करें

जब मन खिन्न, उदास हो
जब किसी की बीमारी या मौत का सदमा लगा हो
जब आप गुस्से और तनाव में हों
जब आपके घर में पारिवारिक कलह मच रहा हो
जब भूख न हो।

कैसे करें

जल्दबाजी में नहीं, धैर्यपूर्वक करें
खड़े होकर नहीं, बैठकर भोजन करें
भोजन को ठीक से चबाकर करना चाहिए
भोजन के दौरान अधिक बतियाएं नहीं
भोजन करते समय अपना टीवी, मोबाइल फोन बंद रखें
भोजन करते समय अखबार या पत्रिकाएं न पढ़ें
भोजन को शांतभाव और प्रसन्नचित होकर करना चाहिए
एक हाथ से भोजन करें, दोनों हाथ जूठे करना ठीक नहीं
लेटे-लेटे भोजन करने की प्रवृति ठीक नहीं।
भोजन के पहले यह करें
हाथ, मुंह और पैर अच्छे से धोएं
सुविधाजनक कपड़े पहनें
यदि भोजन के पहले कोई दवा गोली लेना हो तो वह लें
यदि शौच की हाजत लगे तो निवृत हो लें
भोजन से ठीक पहले यह न करें
चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें
डटकर पानी न पिएं।

कितना करें

भूख से थोड़ा कम खए
भोजन की जरूरत शारीरिक श्रम के अनुसार कम अधिक हो सकती हैं।
बढ़ती आयु के किशोरों को अधिक तथा प्रौढों व वृद्धों को कम भोजन की आवश्यकता होती है।
कितना ही पसंदीदा भोजन क्यों न हो जरूरत से ज्यादा न करें
खाने के लिए जीने की बजाय जीने के लिए खाने का सिद्धांत अपनाएं
सप्ताह में एक दिन उपवास रखें
सर्दियों में पाचन क्रिया तेज रहती है, लेकिन गर्मी व बारिश में मंद पड़ जाती है
भोजन करने के दौरान किसी अप्रिय प्रसंग को न छेड़ें
भोजन जैसा भी बना हो उसे स्वीकार करें
भोजन के दौरान उत्तेजित न हों
थाली को छोड़कर कोई काम निपटाने न जाएं

भोजन के बाद यह करें

मूत्र त्याग के लिए जाएं
दिन के भोजन के बाद 20 मिनट विश्राम करें
रात्रि भोजन के बाद 100 कदम टहले
भोजन के एक घंटे बाद पानी पिएं

भोजन के बाद यह न करें

भोजन के तुरंत बाद ढेर सारा पानी न पिएं
भोजन के तुरंत बाद कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, आइस्क्रीम आदि का सेवन न करें।
भोजन के तुरंत बाद अधिक परिश्रम वाले कार्य न करें
भोजन करते ही शौच के लिए न जाएं
भोजन के तुरंत बाद कसरत या व्यायाम वर्जित है।

कंप्यूटर पर काम करते वक्त

आंखों को दें थोड़ा आराम

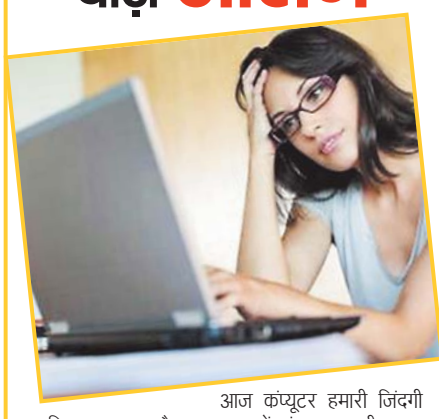

आज कंप्यूटर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। हर काम हमें कंप्यूटर पर ही करना होता है। लेकिन, कंप्यूटर पर लगातार काम करते रहने का असर हमारी आंखों पर पड़ता है। इसकी वजह से कई बार हमारी आंखें लाल और थकी हुई लगती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों की रोशनी पर भी प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि कंप्यूटर पर काम करते समय हम उसकी ब्राइटनेस को अडजस्ट करें, जिससे उसका ज्यादा असर हमारी आंखों पर न हो। आइए आज हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप अपनी आंखों का ख्याल रख सकते हैं-

आंखों के लिए लें ब्रेक - कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार नजरें गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी दबाव पड़ता है। तो इसके लिए जरूरी है कि आप थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेते रहें। कुछ देर के लिए अपनी नजरें कंप्यूटर से हटाकर दूर किसी चीज पर केंद्रित करें या फिर आप यूं ही कुछ देर के लिए अपनी सीट से उठकर घूमने जा सकते हैं। यह प्रॉसेस 20-30 मिनट के अंतराल पर कीजिए।

पलकें झपकाते रहें- पलकों को लगातार झपकाते रहना आंखों को तरो-ताजा बनाए रखने और उस पर पड़ने वाले दबाव को कम करने का कारगर तरीका है। कंप्यूटर पर काम करने वालों को हर तीन-चार सेकेंड में अपनी पलकों को झपकाते रहना चाहिए। दरअसल हमारी आंखों में एक द्रव्य होता है, जो पलकों के झपकाने से बनता है। लेकिन अगर आप बिना पलक झपकाए काम करते रहेंगे तो यह द्रव्य सूख सकता है और इससे आंखों की रोशनी जा सकती है।

कंट्रास्ट कम करना रहेगा बेहतर- अगर आपकी आंखों पर बहुत ज्यादा जोर पड़ रहा है, तो एक बार अपने कंप्यूटर की ब्राइटनेस और कॉन्ट्रास्ट को भी अडजस्ट करके देखिए। इससे भी आपकी आंखों को फायदा होगा। कंप्यूटर की ब्राइटनेस न तो ज्यादा और न ही कम रखें।

कंप्यूटर फ्रेंडली बनें - ध्यान रखना होगा कि वर्कप्लेस पर रोशनी पर्याप्त है या नहीं। आपको एसी के नीचे बैठने से बचना चाहिए क्योंकि इससे आंखों की नमी कम हो सकती है और आंखें रूखी हो सकती हैं।

इन्हें आजमाएं, कब्जियत दूर करें

हर एक रोगी आहार-विहार में असंयम के कारण कब्ज का शिकार होता है। कब्ज से ही दुनिया-भर की बीमारियाँ होती हैं। अपना आहार विहार सुसंयमित कर लें तो कभी कोई बीमारी नहीं होगी। असंयम के कारण कभी कोई रोग हो भी जाये तो प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उसका धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। ऐसा कोई रोग नहीं जो प्राकृतिक चिकित्सा से अच्छा नहीं किया जा सकता हो। प्राकृतिक चिकित्सा प्राणीमात्र के लिए वरदान है। अतः पहले संयम से रहकर कब्ज मिटाइए।

पहला प्रयोग - रात का रखा हुआ सवा लीटर पानी हर रोज सुबह सूर्योदय से पूर्व बासी मुँह पीने से कभी कब्जियत नहीं होगी तथा अन्य रोगों से सुरक्षा होगी।

दूसरा प्रयोग- रात्रि में पानी के साथ 2 से 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण का सेवन करने से अथवा 3-4 तोला (40-50 ग्राम) मुनक्का (काली द्राक्ष) को रात्रि में ठण्डे पानी में भीगोकर सुबह उन्हें मसलकर, छानकर थोड़े दिन पीने से कब्जियत मिटती है।

तीसरा प्रयोग- एक हरड़ खाने अथवा 2 से 5 ग्राम हरड़ के चूर्ण को गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज मिटती है।

चौथी प्रयोग - गुडुच का सेवन लंबे समय तक करने से कब्ज के रोगी को लाभ होता है।

पाँचवाँ प्रयोग कड़ा मल होने व गुदाविकार की तकलीफ में जात्यादि तेल या मलहम को शौच जाने के बाद अंगुली से गुदा पर लगायें। इससे 7 दिन में ही रोग ठीक हो जायगा। साथ में पाचन ठीक से हो ऐसा ही आहार लें। छोटी हरड़ चबाकर खायें।

छठा प्रयोग- एक गिलास सादे पानी में एक नींबू का रस एवं दो-तीन चम्मच शहद डालकर पीने कब्ज मिट जाता है।

सातवाँ प्रयोग- एक चम्मच सौंफ का चूर्ण और 2-3 चम्मच गुलकन्द प्रतिदिन दोपहर के भोजन के कुछ समय पश्चात् लेने से कब्ज दूर होने में सहायता मिलती है।

सावधानी - कब्ज सब रोगों का मूल है। अतः पेट को सदैव साफ रखना चाहिए। रात को देर से कुछ भी न खायें तथा भोजन के बाद दो घंटे तक न सोयें। मैदे से बनी वस्तुएँ एवं दही अधिक न खायें।

15 नवंबर को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, इन मुद्दों पर होगी चर्चा

(एजेंसी):

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 15 नवंबर को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और वित्तमंत्रियों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों के साथ बैठक करेंगी एवं इस दौरान कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बाद विकास के रफ्तार पकड़ने के बीच देश में निवेश, अवंसरचना और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के कदमों पर चर्चा होगी। यह बैठक वीडियो कांफ्रेंस के जरिये 15 नवंबर को अपराह्न तीन बजे से लेकर शाम छह बजे तक होगी। सीतारमण ने मुख्यमंत्रियों और प्रशासकों को लिखे एक पत्र में कहा, ''यह गौर करने की बात है कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बाद अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय गति से बढ़ रही है और सभी क्षेत्रों में गतिविधि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि निवेशकों में सकारात्मक महौल है और ''अगर हम इस सकारात्मकता का इस्तेमाल कर पाए तो राज्यों में निवेश बढ़ा सकते हैं, राज्यों के रोजगार और राजस्व में कई गुना वृद्धि करने वाले प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं। केंद्र सरकार के आर्थिक मामलों के विभाग में सचिव अजय सेठ ने राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में राज्यों से वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। हालांकि, सचिव ने राज्यों से वीडियो कांफ्रेंस के दौरान जीएसटी से जुड़े मुद्दे नहीं उठाने को कहा है क्योंकि उसके लिए वैकल्पिक मंच केंद्र-राज्य परिषद पहले से ही मौजूद है।

शून्य उत्सर्जन के लिए दोपहिया-तिपहिया वाहनों पर जोर: भारत

नयी दिल्ली,

ग्लासगो में जारी संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के परिवहन दिवस के दिन बुधवार को भारत ने दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों के भारी-भरकम बेड़े को शून्य-उत्सर्जन वाले वाहनों में बदलने की जरूरत पर बल दिया है। भारत सरकार की तरफ से नीति आयोग ने शून्य उत्सर्जन वाहन अंतरण परिषद के चौथे मंत्री-स्तरीय संवाद में शिरकत करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने की दिशा में भारत ने कई नीतिगत कदम उठाए हैं। एक दिन पहले ही भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक खास पोर्टल ई-अमृत शुरू किया है। यहां पर इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में सारी सूचनाएं मिल जाएंगी। सरकार की तरफ से यहां जारी एक बयान के मुताबिक परिषद की बैठक में भारत ने कहा कि देश के कुल वाहनों में करीब 80 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाले दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों को भी शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों में बदलने में खास ध्यान देना होगा। बैठक में शामिल पक्षों ने सभी विकसित देशों से शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों की दिशा में अंतरण में सहयोग एवं समर्थन देने का अनुरोध किया।

ईएसजी रेटिंग्स, डेटा प्रदाताओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर सेबी की नजर

नयी दिल्ली, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख अजय त्यागी ने बुधवार को कहा कि नियामक की पर्यावरण स्थिरता और कामकाज के संचालन यानी गवर्नेंस (ईएसजी) रेटिंग्स से जुड़े अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर नजर है। साथ ही वह डेटा प्रदाताओं पर भी निगाह रख रहा है और सही समय आने पर इन मुद्दों पर कोई निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि कारोबार दायित्व और स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर) ने खुलासों में स्थिरता के खेल को बढ़ाया है। नियामक इस पर कड़ी नजर रखेगा कि कंपनियां इस पर कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। वैश्विक स्तर पर ईएसजी वर्गीकरण और उद्योग अभी भी विकसित हो रहा है। ईएसजी रेटिंग और प्रदाता आमतौर पर किसी भी अधिकार क्षेत्र में विनियमित नहीं होते हैं। त्यागी ने कहा कि प्रतिभूति नियामकों के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (आईओएससीओ) ईएसजी रेटिंग और ईएसजी डेटा प्रदाताओं पर अपनी रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में है। इसमें ईएसजी रेटिंग और ईएसजी डेटा प्रदाताओं के साथ-साथ नियामक और दृष्टिकोण के संबंध में सिफारिशें शामिल होंगी। उन्होंने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''हम अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं और सही समय पर इस मामले में उचित निर्णय करेंगे।''

जोमैटो का दूसरी तिमाही का शुद्ध घाटा बढ़कर 434.9 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, जोमैटो का सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 434.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। खाने-पीने के सामान की डिलिवरी के कारोबार में निवेश की वजह से कंपनी का घाटा बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 229.8 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 1,024.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 426 करोड़ रुपये थी। जोमैटो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपिंदर गोयल और मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अक्षत गोयल ने एक पत्र में कहा, ''हमारा नुकसान बढ़ने की वजह यह है कि हमने अपने डिलिवरी कारोबार को बढ़ाने के लिए निवेश किया है।''

कच्चे तेल के कारण जिंसों की कीमतों में भारी उछाल, सरकार के लिए चिंता का विषय

मुंबई । कच्चे तेल के कारण जिंसों की कीमतों में भारी उछाल से भारत के बढ़ते चालू खाता घाटे (सीएडी) का कमजोर पुनरुद्धार पर असर होगा। एक कंपनी की रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है।रिपोर्ट में कंपनी ने मार्च 2022 तक सीएडी 45 अरब डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चिंता इससे पैदा होती है कि जुलाई के बाद से व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि जून तक औसत मासिक व्यापार घाटा 12 अरब डॉलर था, जो जुलाई-अक्टूबर में बढ़कर 16.8 अरब डॉलर हो गया। सितंबर में अब तक का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा हुआ, जो 22.6 अरब डॉलर है। कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, हम अपने वित्त वर्ष 2021-22 के चालू खाता घाटे के अनुमान को पूर्व के 35 अरब डॉलर के अनुमान से बढ़ाकर 45 अरब डॉलर, या जीडीपी के 1.4 प्रतिशत तक बढ़ा रहे हैं, लेकिन भुगतान संतुलन (बीओपी) का बड़ा अधिशेष सकारात्मक बना हुआ है।

मारुति सुजुकी का उत्पादन अक्टूबर में 26 प्रतिशत घटकर 1,34,779 इकाई

नयी दिल्ली, घरेलू वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का उत्पादन अक्टूबर, 2021 में सेमीकंडक्टर (चिप) की कमी के कारण 26 प्रतिशत घटकर 1,34,779 इकाई रहा। एक साल पहले की इसी महीने में यह 1,82,490 इकाई का था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कमी के कारण पिछले महीने वाहनों का उत्पादन प्रभावित रहा। कंपनी ने इसके असर को कम करने के लिए हरसंभव उपाय किए। कंपनी ने बताया कि पिछले महीने उसका कुल यात्री वाहन उत्पादन 1,30,763 इकाई रहा, जो अक्टूबर 2020 में 1,76,942 इकाई का था। कंपनी की ऑल्टो और एस-प्रेसो मॉडल जैसी मिनी कारों का उत्पादन पिछले महीने 23,632 इकाई रहा। यह एक साल पहले के इसी महीने में 31,779 इकाई था। इसी तरह वैगनआर, सेलेरियो, इग्निस, स्विफ्ट, बलेनो और डिजायर समेत अन्य कॉम्पैक्ट कारों का उतपादन भी अक्टूबर, 2021 में घटकर 62,824 इकाई का हो गया। इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में यह 1,02,666 इकाई का था। कंपनी का सितंबर, 2021 महीने में कुल उत्पादन सालाना आधार पर 51 प्रतिशत घटकर 81,278 इकाई रहा था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी) ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के शेयरों के टूटने से आया है। दिन भर के बारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 433.13 अंक करीब 0.72 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,919.69 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 143.60 अंक तकरीबन 0.80 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,873.60 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में भारी बिकवाली से सबसे ज्यादा गिरावट एसबीआइ के शेयरों में आई। एसबीआइ के शेयर करीब तीन फीसदी तक नीचे आये। वहीं बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयर भी गिरे हैं जबकि दूसरी ओर टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस के शेयरों को लाभ हुआ और ये ऊपर आये। जानकारों के अनुसार भारतीय बाजार एशियाई बाजारों के मिलेजुले रुख और अमेरिका में मुद्रास्फीति आंकड़ों के उम्मीद से ज्यादा रहने से भी गिरे हैं। मौद्रिक दबाव और विदेशी फंडों की निकासी बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया और मुनाफावसूली बढ़ी है। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में बड़े पैमाने पर नकारात्मक रुख, विदेशी कोष की निरंतर निकासी और एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक एवं इंफोसिस के शेयरों के घाटे में चलने से सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में ही नीचे आ गया। टेक महिंद्रा लगभग दो फीसदी की गिरावट के साथ शीर्ष पर रही। इसके बाद एचडीएफसी, एसबीआइ, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। दूसरी ओर टाइटन, टाटा स्टील, एलएंडटी, भारती एयरटेल और मारुति के शेयर लाभ पाने वाले शेयरों में शामिल थे।

सरकार ने पिछले सात सत्रों में कपास खरीद के लिए सीसीआई को 17,409 करोड़ रुपये की सहायता मंजूर की

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सरकार ने बुधवार को भारतीय कपास निगम (सीसीआई) को 17,408.85 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसका उपयोग मुख्य रूप से पिछले सात विपणन वर्षो से कपास की खरीद के लिए सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा लिए गए बैंक ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किया जाएगा। कपास का मौसम या विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने किसानों को सीधे समर्थन देने के मकसद से कपास सत्र 2014-15 से लेकर 2020-21 के लिए सीसीआई को 17,408 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के वित्तपोषण को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सीसीआई और अधिकृत एजेंसियों ने वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 में पर्याप्त मात्रा में कपास की खरीद की। कपास का वार्षिक उत्पादन 350-360 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया गया है। कपास सत्र 2020-21 के दौरान कपास की खेती का रकबा 133 लाख हेक्टेयर था जिसमें अनुमानित उत्पादन 360 लाख गांठ का था, जो कुल वैश्विक कपास उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत है। भारत सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर कपास के लिए एमएसपी तय करती है। बाद में कपड़ा सचिव यू पी सिंह ने कहा, %%कपास निगम ब्याज पर बैंक से कर्ज लेकर अपने खरीद का काम करता है। इसलिए आज की मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया है कि सीसीआई को 17,408 करोड़ रुपये दिए जाएंगे ताकि वह अपना कर्ज पूरी तरह से चुका सके।%% वर्ष 2021-22 के लिए कपास की खरीद के बारे में उन्होंने कहा कि अभी तक सीसीआई को कपास खरीदने की आवश्यकता नहीं दिख रही है क्योंकि मौजूदा बाजार मूल्य, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि कपास की खरीद पर सीसीआई को पहले वर्ष 2020-21 और वर्ष 2019-20 में क्रमश- 7,464 करोड़ रुपये और 9,412 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। हालांकि, सिंह ने कहा कि नुकसान कम होना चाहिए। सचिव ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के संशोधित व्यय में लगभग आधी राशि के भुगतान का प्रावधान अनुपूरक अनुदान के माध्यम से किया गया है जबकि शेष आधी राशि का प्रावधान बजट 2022 में किया जायेगा। सिंह ने कहा, ÷पिछले दो कपास मौसमों (2019-20 और 2020-21) में वैश्विक महामारी के दौरान सीसीआई ने देश में कपास उत्पादन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा यानी लगभग 200 लाख गांठें खरीदीं, और 40 लाख कपास उत्पादक किसानों के बैंक खातों में सीधे 55,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि का वितरण किया। मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सरकार कपास में एमएसपी संचालन के लिए सीसीआई को पूर्ण मूल्य समर्थन प्रदान करती है। मौजूदा कपास सत्र के लिए सीसीआई ने एमएसपी संचालन की किसी भी जरूरत को पूरा करने के लिए 143 जिलों में 474 खरीद केंद्र खोलकर सभी 11 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में पहले ही पर्याप्त व्यवस्था कर ली है। एमएसपी पर कपास की खरीद ने कपास की कीमतों को स्थिर करने और किसानों के संकट को कम करने में मदद की। एक अन्य निर्णय में, मंत्रिमंडल ने जूट वर्ष 2021-22 के लिए जूट पैकेजिंग सामग्री के लिए आरक्षण मानदंडों को मंजूरी दी। ठाकुर ने कहा कि आरक्षण मानदंडों के अनुसार, जूट वर्ष 2021-22 के दौरान जेपीएम अधिनियम, 1987 के तहत 100 प्रतिशत खाद्यान्न और 20 प्रतिशत चीनी जूट की बोरियों में पैक की जाएगी। इस फैसले से जूट मिलों और सहायक इकाइयों में कार्यरत 3,70,000 श्रमिकों को राहत मिलने की संभावना है।

अमेजन पे का नया अभियान अब हर दिन हुआ आसान करता है रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने में डिजिटल भुगतान की शक्ति का प्रदर्शन

बेंगलुरु- अमेजन पे ने एक डिजिटल विज्ञापन अभियान अब हर दिन हुआ आसान #AbHarDinHuaAasan को लॉन्चु करने की घोषणा की है, जो प्लेजटफॉर्म पर डिजिटल भुगतान की सुविधा और सुरक्षा एवं पूरे भारत में लाखों ग्रहाकों पर इसके सकारात्म क प्रभाव को प्रदर्शित करता है। यह अभियान एक डिजिटल फल्मि के साथ शुरू होता है, जो सभी पीढ़ियों के बीच पैसे और विभिन्नक कारोबारी गतिविधियों के विकास, नकदी से डिजिटल बनने, का जश्नत मनाता है। यह आगे दिखाता है कि कैसे अमेजन पे का उपयोग किसी को भी, कहीं भी, आसानी से और तुरंत भुगतान करने के लिए किया जा सकता है।

इस अभियान के बारे में बोलते हुए, महेंद्र नेरुरकर, सीईओ और वीपी, अमेजन पे इंडिया ने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में, डिजिटल भुगतान हमारे जीवन का एक अभिन्नए हिस्साम बन गया है। अमेजन पे लाखों ग्राहकों और लघु उद्यमों को एक भरोसेमंद, सुविधाजनक और फायदेमंद भुगतान अनुभव उपलब्ध् कराने के लिए निरंतर काम कर रहा है। अब हर दिन हुआ आसान (म्रड्ढ।ड्डह्लष्द्धद्ग।ह्वड्डह्यड्डठ्ठ) यह दिखाने का हमारा प्रयास है कि कैसे डिजिटल भुगतान हमारे हितधाराकों के दैनिक जीवन को आसान बनाता है। इस अभियान में हमने विभिन्नय दृष्टिकोणों और कहानियों को शामिल किया है जो डिजिटल भुगतान पर भरोसे की भावना को और मजबूत बनाते हैं और इसे अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।"

केदारा, सेक्का कैपिटल इंडिया और ब्लूम वेंचर्स के नेतृत्व में Purplle.com ने 75 मिलियन डॉलर की फंडिंग पूरी की

भारत के सबसे बड़े ऑनलाईन ब्यूटी डेस्टिनेशंस में से एक, च्नतचससमण्बवउ ने आज 75 मिलियन डॉलर की फंडिंग की घोषणा की एवं सेक्का कैपिटल इंडिया एवं ब्लूम वेंचर्स द्वारा प्रतिबद्धता दृढ़ करने के साथ कैप टेबल पर केदारा का स्वागत किया। यह फंडिंग छः महीने पहले वर्लिनवेस्ट, ब्लूम वेंचर्स, जेएसडब्लू वेंचर्स तथा पहली बार के निवेशक सेक्का कैपिटल इंडिया द्वारा 45 मिलियन डॉलर की फंडिंग के बाद की गई है। इस निवेश से अगले पाँच सालों में छः से आठ गुना वृद्धि प्रदान करने का कंपनी का उद्देश्य मजबूत होगा।

इस निवेश के बारे में मनीष तनेजा, को-फाउंडर एवं सीईओ, च्नतचससमण्बवउ ने कहा, ''हम केदारा के साथ गठबंधन करके उत्साहित हैं क्योंकि वो ब्यूटी ई-कॉमर्स के उद्योग में प्रवेश कर रहे हैं। सुनीष शर्मा, को-सीईओ एवं मैनेजिंग पार्टनर, केदारा तथा अनंत गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर, केदारा ने कहा, ''हमें पर्पल के साथ गठबंधन की खुशी है। एक इनोवेटिव, महत्वाकांक्षी, एवं मजबूत क्रियान्वयन पर केंद्रित टीम के नेतृत्व में कंपनी ने बाजार में अग्रणी वृद्धि दर्ज की है और यह भारत में सौंदर्य व व्यक्तिगत केयर के प्रसार के सिद्धांत पर केंद्रित एक अद्वितीय मंच बना रही

अल्ट्राटेक सीमेंट ने जीसीसीए द्वारा घोषित जीरो कंक्रीट रोडमैप के प्रति किया अपनी प्रतिबद्धता का ऐलान

मुंबई = भारत में ग्रे सीमेंट, स⃞द सीमेंट और रेडी मिक्स कंक्रीट की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने जीसीसीए 2050 के तहत नेट जीरो कंक्रीट के लिए जारी सीमेंट एंड कंक्रीट इंडस्ट्री रोडमैप के लिए अपनी सहमति देते हुए अपनी प्रतिबद्धता का ऐलान किया है। 2050 तक कार्बन न्यूट्रल कंक्रीट बनाने की यह पहल, विश्व की सबसे बड़ी कंक्रीट और सीमेंट बनाने वाली कंपनियों ने साथ मिलकर, भविष्य में सस्टेनेबल भवन निर्माण करने के लिए की है। इस रोडमैप के तहत CO_2 के उत्सर्जन को 2030 तक 25% तक कम करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

अल्ट्राटेक ने ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य होने के नाते यह निर्णय लिया है। अल्ट्राटेक विश्व के 40 बड़े सीमेंट और कंक्रीट निर्माता कंपनियों में से एक है जिन्होंने 2050 तक नेट जीरो कंक्रीट तक पहुँचने का प्रण लिया है और साथ ही 2030 तक 5 बिलियन टन छ्व2 के उत्सर्जन को रोकने के महत्वकांशी लक्ष्य के लिए भी अपनी सहमति दी है। जीसीसीए ने एक विस्तृत 'कंक्रीट फ्यूचर' रोडमैप जारी किया है, जिसमें सीमेंट और कंक्रीट इंडस्ट्री को 2050 तक कार्बन मुक्त करने का एक पूरा मार्ग तय किया गया है, जो की पेरिस समझौते में तय ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने के लक्ष्य के अनुकूल है। "अल्ट्राटेक में हम अपने भागीदारों और हितधारकों के साथ मिलकर नेट ज़ीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जीसीसीए के 'कंक्रीट फ्यूचर' रोडमैप में इस सामूहिक प्रयास की रूपरेखा तैयार की गयी है और यही रोडमैप भवन निर्माण सामग्री क्षेत्र को नेट जीरो बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। यह रोडमैप हमारी इंडस्ट्री को कार्बन मुक्त करने में कारगर साबित होगा, हमारे नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा और साथ ही हमारे कल को सस्टेनेबल बनाने में मदद भी करेगा ।" श्री कैलाश झंवर, अल्ट्राटेक सीमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा।"

'कंक्रीट फ्यूचरज् रोडमैप सात सूत्रीय योजना है जिसमें कुछ महत्वकांशी लेकिन प्राप्त करने योग्य कदम शामिल हैं जिससे सीमेंट में CO_2 इंटेंसिव क्लिंकर को कम किया जा सके, निर्माण में फॉसिल फ्यूल का उपयोग कम किया जा सके, और उत्पादों क्रियाओं को और दक्ष बनाने के कदम शामिल किये जा सके जैसे की कार्बन कैप्चर की टेक्नोलॉजी। जीसीसीए द्वारा लिया गया यह कदम विश्व में किसी भी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नेट जीरो हासिल करने के लिए ली गयी सबसे बड़ी पहल है - जिसमें अमेरिका, अफ्रीका, एशिया (भारत और चीन) और यूरोप के देश शामिल हैं। जीसीसीए के सदस्य चीन के बाहर वैश्विक सीमेंट उद्योग का 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, और इसमें कई बड़े चीनी निर्माता भी शामिल हैं।

मारुति सुजुकी ने भारत की सबसे फ्यूल एफिशियंट पेट्रोल कार- ऑल न्यू सेलेरियो लॉन्च की 'ड्राईव योर स्टाईल'

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित कॉम्पैक्ट हैचबैक - स्टाईलिश ऑल-न्यू सेलेरियो के लॉन्च की घोषणा की। भारत की सबसे ज्यादा फ्यूल एफिशियंट पेट्रोल कार', ऑल-न्यू सेलेरियो 26.68 किलोमीटर प्रति लीटर'' का बेहतरीन माईलेज देती है। आईडल स्टार्ट-स्टॉप टेक्नॉलॉजी के साथ नैक्स्ट जनरेशन के ड्युअल जेट, ड्युअल वीवीटी के-सीरीज़ के इंजन द्वारा पॉवर्ड, यह कार ड्राईविंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करती है। अनेक सुरक्षा व स्मार्ट फीचर्स से युक्त एवं दमदार मौजूदगी के साथ, ऑल-न्यू सेलेरियो एक बार फिर से कॉम्पैक्ट हैचबैक सेगमेंट में धूम मचाने के लिए तैयार है।

लॉन्च के अवसर पर श्री केनिची आयुकावा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा, ''कोरोना महामारी भारतीय ऑटोमोबाईल उद्योग में अप्रत्याशित परिवर्तन लेकर आई, क्योंकि इसने व्यक्तिगत मोबिलिटी की जरूरत पर विशेष बल दिया। भारत मुख्यत: छोटी कारों का बाजार है, जिसमें वाहन की सेल्स में तकरीबन 46 प्रतिशत योगदान हैचबैक देती हैं। अग्रणी कार निर्माता के रूप में हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम ऑटोमोबाईल उद्योग में उत्साह लेकर आएं। ऑल-न्यू सेलेरियो के साथ हम देश में सबसे महत्वपूर्ण यात्री वाहन सेगमेंट को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं।''

ड्राईविंग के अतुलनीय अनुभव, नए 3डी ऑर्गेनिक स्कल्पटेड डिज़ाईन, सेगमेंट में प्रथम सुरक्षा व सुविधा की विशेषताओं के साथ, ऑल-न्यू सेलेरियो इस सेगमेंट में गति व ताजगी लेकर आएगी। उन्होंने कहा, ''ऑल-न्यू सेलेरियो ग्राहकों की हर अपेक्षा पर खरी उतरती है। यह ड्राईविंग का अतुलनीय अनुभव प्रदान करती है, सर्वश्रेष्ठ फ्यूल-एफिशियंसी देती है और इसमें अन्य अनेक फीचर्स हैं। इसलिए यह अत्यधिक आकर्षक मूल्य में कम्फर्ट, सुविधा व सुरक्षा प्रदान करती है। पहली जनरेशन की सेलेरियो ने ऑटो गियर शिफ्ट (एजीएस) टू-पेडल टेक्नॉलॉजी प्रस्तुत कर उसे जन-जन तक पहुंचाया। हमें विश्वास है कि ऑल-न्यू सेलेरियो अपनी अत्याधुनिक विशेषताओं, स्टाईलिश नए डिज़ाईन, एवं नैक्स्ट जनरेशन की पॉवरट्रेन के साथ शहरी ग्राहकों को आकर्षित करेगी और इस बाजार में जरूरी उत्साह लेकर आएगी।''

टी 20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची न्यूजीलैंड, नीशम के सामने फेल हुए इंग्लैंड के गेंदबाज

अबुधावी। (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। 16वें ओवर तक इंग्लैंड ने मुकाबले में अपनी पकड़ बना रखी थी लेकिन ग्लेन फिलिप का विकेट चटकाने के साथ ही दबाव में आ गई। जिमी नीशम ने 11 गेंद में 1 चौके और 3 छक्के की मदद से 27 रन बनाकर मैच पलट दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ ही टी20 विश्व कप के इतिहास में न्यूजीलैंड ने पहली बार फाइनल में जगह बना ली है। केन विलियमसन ने 7 गेंदबाजों को आजमाया जिनमें से टिम साउदी, एडम मिल्न, जेम्स नीशाम और ईश सोढ़ी ने एक-एक विकेट चटकाया।

इंग्लैंड को मिली अच्छी शुरुआत

टॉस गंवाने के बावजूद इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की और 4 विकेट गंवाकर इंग्लैंड ने 166 रन बनाए। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे जोस बटलर ने 24 गेंदों पर 29 रन की पारी खेली। लेकिन मोईन अली और डेविड मलान की तूफानी पारी ने इंग्लैंड के स्कोर को गति देने का काम किया। मोईन अली ने 37 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। जबकि डेविड मलान 30 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन बना पाने में कामयाब हुए।

टी20 विश्व कप: तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने रोहित-राहुल-कोहली का उड़ाया मजाक

दुबई। विराट कोहली की अगुवाई में खेला गए टी20 विश्व कप 2021 का सफर न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के साथ ही समाप्त हो गया था लेकिन एक उम्मीद फिर भी दिखाई दे रही थी कि अफगानिस्तान अगर न्यूजीलैंड को हरा दे तो भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने का चांस बन सकता है लेकिन यह करिश्मा भी नहीं हो पाया और टीम इंडिया अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर वापस स्वदेश लौट आई।

उबर नहीं पाई थी भारतीय टीम

टी20 विश्व कप में पहले पाकिस्तान और फिर न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार को कोई भी भारतीय प्रशंसक नहीं भूल पाया है। खासकर पाकिस्तान के हाथों 10 विकेट से मिली हार को... यह पहली बार था जब टी20 विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान ने भारत को हराया था। इस मुकाबले में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली का विकेट चटकाकर टीम इंडिया को बैकफुट पर धकेल दिया था। जिसके बाद टीम नहीं उबर पाई।

शाहीन ने उड़ाया भारतीय बल्लेबाजों का मजाक

वैसे तो यह मुकाबला 23 अक्टूबर को खेला गया था लेकिन इससे जुड़ा हुआ एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर वायरल हो रहा है। जिसमें शाहीन शाह अफरीदी भारतीय बल्लेबाजों का मजाक बनाते हुए देखे जा सकते हैं। दरअसल, पाकिस्तान और स्कॉटलैंड के बीच में मुकाबला हो रहा था और इसी मुकाबले में शाहीन शाह अफरीदी बाउंड्री लाइन के पास फील्डिंग कर रहे थे।
फील्डिंग करते हुए शाहीन शाह अफरीदी ने रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली के आउट होने की नकल करते हुए उनका मजाक उड़ाया। स्टैंड पर बैठे पाकिस्तानी प्रशंसक जोर-जोर से भारतीय खिलाड़ियों के नाम ले रहे थे और शाहीन शाह अफरीदी उनकी नकल उतारकर उनका मजाक बना रहे थे। जिसका वायरल हो रहा है।

आईपीएल2022: आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास 90 करोड़ रुपये तो हैं पर खर्च करना नहीं है आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल-2022 के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. फिलहाल सभी की नजर इस समय इस बात पर लगी हैं कि आईपीएल फ्रेंचाइजी किस-किस खिलाड़ी को रिटेन करती हैं.

इस बार बोली लगाने के लिए टीमों के पर्स में कुल 90 करोड़ रुपये हैं. इस बार बीसीसीआई ने सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी के पर्स में रुपये जरूर बढ़ा दिए लेकिन इन्हें खर्च करना आसान नहीं है. इसकी वजह है इस बार रिटेंशन नियम और 90 करोड़ रुपये खर्च करने का गणित, तो चलिए इसी हिसाब को समझते हैं.

एक आईपीएल फ्रेंचाइजी अधिकतम चार खिलाड़ियों के रिटेन कर सकती है लेकिन पहले रिटेन खिलाड़ी की कीमत 16 करोड़ रुपये होगी. इसके बाद दूसरे खिलाड़ी की कीमत 12 करोड़ रुपये होगी. तीसरे रिटेन खिलाड़ी की कीमत 8 करोड़ रुपये होगी और चौथे की कीमत 6 करोड़ रुपये होगी. इस तरह अगर एक फ्रेंचाइजी चार खिलाड़ियों को रिटेन करती है तो 90 में से कुल 42 करोड़ रुपये खर्च हो जाएंगे.

वहीं, अगर फ्रेंचाइजी तीन खिलाड़ियों को रिटेन करती है तो कीमत 15 करोड़, 11 करोड़ और 7 करोड़ रुपये होगी. यानी फ्रेंचाइजी के 90 करोड़ में से 33 करोड़ खर्च हो जाएंगे. वहीं, अगर फ्रेंचाइजी दो खिलाड़ियों को ही स्थान देती है तो पहले खिलाड़ी की कीमत 14 करोड़ रुपये और दूसरे खिलाड़ी की कीमत 10 करोड़ रुपये होगी. अब अगर फ्रेंचाइजी सिर्फ एक खिलाड़ी को रिटेन करती है तो 14 करोड़ रुपये कीमत होगी. ऐसे में साफ दिखाई देता है कि अगर कम से कम खिलाड़ी रिटेन करते हैं तो बोली लगाने के लिए पर्स में ज्यादा पैसे बचेंगे. अब समस्या ये है कि आठ फ्रेंचाइजी के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके नाम बहुत बड़े हैं लेकिन आईपीएल-2021 में उन्होंने कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया. अब उन्हें टीम करोड़ों रुपये खर्च करके रिटेन करे या छोड़ दे यह बड़ा सवाल होगा. हालांकि यहां ये भी बता दें कि दो नई फ्रेंचाइजी इस बार आईपीएल में जुड़ रही हैं, जो हैं लखनऊ और अहमदाबाद हैं जो अधिकतम तीन खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं लेकिन इनके पास रिटेन करने के लिए वही खिलाड़ी होंगे, जिन्हें ये आठ फ्रेंचाइजी रिलीज करेंगी. आईपीएल आक्शन दिसंबर अंत या जनवरी की शुरुआत में होने की संभावना है. सभी आईपीएल प्रेमियों की नजर अब आक्शन पर लगी है.

2022 शीतकालीन ओलंपिक: आईओसी ने की चीन की प्रशंसा

बीजिंग (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को ओलंपिक स्थलों पर नवीकरणीय ऊर्जा को शुरू करने और 30 करोड़ खेल प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए चीन की प्रशंसा की है। बीजिंग 2022 के लिए आईओसी समन्वय आयोग के अध्यक्ष जुआन एंटोनियो समरांच जूनियर ने हाल ही में कहा कि वह यह देखकर खुश और गर्व महसूस कर रहे हैं कि बीजिंग ने

कार्बन तटस्थ गेम्स आयोजित करने के वादे पर खरा उतरा है। रिपोर्ट के अनुसार, आईओसी ने मंगलवार को बीजिंग ओलंपिक शीतकालीन खेल 2022 के लिए तकनीकी तैयारियों को शुरू करने के लिए वर्चुअल बैठक की, जिसमें प्लेबुक का पहला संस्करण और चल रहे परीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की गई। 62 साल के अध्यक्ष ने कहा, खेल के लिए 90 दिनों से भी कम समय बचा है। आईओसी और बीजिंग 2022 आयोजन समिति दोनों जल्द तैयारी करने पर जोर दे रहे हैं।

मध्य प्रदेश के विवेक सागर को जूनियर हॉकी विश्वकप में मिली भारतीय टीम की कमान

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी।ओडिशा के भुवनेश्वर में 24 नवंबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 16 शीर्ष टीमें खिताब के लिए लड़ेंगी, जबकि भारतीय टीम अपना टाइटल डिफेंड करेगी।

हॉकी इंडिया ने टीम की कप्तानी ऐतिहासिक ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद (निवासी- इटारसी, म. प्र) को सौंपी है, जबकि डिफेंडर संजय को उप कप्तान बनाया गया है जो ब्यूनस आयर्स में युवा ओलंपिक खेलों 2018 में रजत पदक जीतने वाली भारतीय अंडर-18 टीम का हिस्सा थे।

उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट में 24 नवंबर को फ्रांस के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। राउंड रॉबिन लीग में दूसरे मैच में 25 नवंबर को उसका सामना कनाडा से होगा और इसके बाद वह 27 नवंबर को पोलैंड से भिड़ेगी। नॉकआउट मैच एक से पांच दिसंबर के बीच होंगे। भारत के अलावा इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य टीमों में बेल्जियम, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, जर्मनी, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, पाकिस्तान, कोरिया, मलेशिया, पोलैंड, फ्रांस, चिली, स्पेन और अमेरिका शामिल है।

18 सदस्यीय भारतीय टीम में विवेक सागर और संजय के अलावा अन्य खिलाड़ियों में शारदानंद तिवारी, प्रशांत चौहान, सुदीप चिरमाको, राहुल कुमार राजभर, मनिंदर सिंह, पवन, विष्णुकांत सिंह, अंकित पाल, उत्तम सिंह, सुनील जोजो, मनजीत, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, अभिषेक लाकड़ा, यशदीप सिवाच, गुरमुख सिंह और अरायजीत सिंह हुंदल शामिल हैं।

इसके अलावा दीनाचंद्र सिंह मोइरंगथेम और बॉबी सिंह धामी को अतिरिक्त खिलाड़ियों के रूप में चुना गया है, जिन्हें मूल टीम के किसी खिलाड़ी के चोटिल होने या कोरोना के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने पर ही खेलने की अनुमति दी जाएगी।

एफ1 रेस के सभी टिकट बिके, महामारी की शुरुआत के बाद ब्राजील में सबसे बड़ी प्रतियोगिता

साओ पाउलो। फार्मूला वन आयोजकों को इस सप्ताहांत इंटरलागोस में फार्मूला वन सर्किट पर सफल वापसी की उम्मीद है क्योंकि इस रेस के तीन दिन के सभी एक लाख 70 हजार टिकट बिक गए हैं। कोविड-19 महामारी के चलते पाबंदियों के कारण फार्मूला वन ने 2020 में ब्राजील को अपनी प्रतियोगिता सूची से हटा दिया था। रेस के आयोजकों और स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 2021 की फार्मूला वन रेस के दौरान ब्राजील में महामारी के प्रकोप के बाद किसी प्रतियोगिता में सबसे अधिक दर्शक मौजूद होंगे।

नीरज चोपड़ा ने टीवी कार्यक्रम में कहा, मोदी जी को खिलाना चाहता हूं घर का बना चूरमा

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध चैनल के समिट में दुनियाभर में तिरंगा का मान बढ़ाने वाले ओलम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पीएम मोदी को लेकर अपनी चाहत का इजहार किया है। उन्होंने कहा कि वह पीएम नरेंद्र मोदी को अपने घर का बना चूरमा खिलाना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने रैसिपी भी शेयर करने की बात कही। नीरज ने जैवलिन थ्रो में टोक्यो ओलिंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतते हुए इतिहास रचा था। जब नीरज टोक्यो ओलम्पिक से ऐतिहासिक स्वर्ण जीतकर स्वदेश लौटे तो पूरी ओलम्पिक टीम को पीएम नरेंद्र मोदी ने नाश्ते पर आमंत्रित किया था। इस दौरान पीएम ने युवा एथलीट को स्पेशल चूरमा खिलाया था। दरअसल, नीरज का मां ने टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में बताया था कि नीरज को खाने में चूरमा बहुत पसंद है। यह बात कहीं से पीएम को पता चल गई थी और उन्होंने खिलाड़ी की चाहत पूरी की थी। ब्रेकफास्ट पर पीएम से मुलाकात के बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पीएम से इस तरह मिलकर अच्छा लगा। उन्होंने न केवल मेडल विनर्स से बात की, बल्कि उनसे भी बात की, जो मेडल जीतने में असफल रहे थे। उन्होंने सभी का हौसला बढ़ा।

स्टीवन गेरार्ड को एस्टन विला का बनाया गया मुख्य कोच

बर्मिंघम। स्टीवन गेरार्ड को एस्टन विला का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इस बारे में प्रीमियर लीग क्लब ने गुरुवार को जानकारी दी है। रविवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग में विला के लगातार पांच गेम हारने के बाद डीन स्मिथ को निकाल दिया गया था। इसके बाद 41 साल गेरार्ड को उनकी जगह नियुक्त किया गया। विला प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर है। गेरार्ड ने कहा, एस्टन विला अंग्रेजी फुटबॉल के इतिहास में प्रसिद्ध क्लब रहा है और मुझे इसका नया मुख्य कोच बनने पर बहुत गर्व है। क्लब के साथ आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने आगे कहा, इस तरह के एक प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब का प्रबंधन करने का अवसर देने के लिए ग्लासगो रेंजर्स से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। गेरार्ड को प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे महान खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, उन्होंने लिवरपूल के लिए 710 मैचों में 186 गोल किए और नौ ट्राफियां जीती हैं।

लगभग एक साल बाद अजिंक्य रहाणे बन सकते हैं भारत के टेस्ट कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल 2020 में एडिलेड टेस्ट में जब भारत 36 रनों पर ऑलआउट हुआ था तो कप्तान विराट कोहली पितृत्व अवकाश के लिए भारत लौट गए थे। इसके बाद सबका यह मानना था कि यह दौरा भारत के लिए बहुत कठिन होने वाला है लेकिन जब दौरा खत्म हुआ तो भारत 2-1 से विजयी रहा।

इसका काफी कुछ श्रेय अजिंक्य रहाणे की कप्तानी को मिला जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर युवाओं पर विश्वास दिखाया। अब करीब एक साल

बाद फिर अजिंक्य रहाणे को टेस्ट की कप्तानी मिल सकती है।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक विराट कोहली ने न केवल टी-20, बल्कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से भी आराम मांगा है, हालांकि वह दूसरे और आखिरी मैच के लिए वापसी कर सकते हैं।

इसके अलावा टेस्ट रैंकिंग में लगातार आगे बढ़ने वाले रोहित शर्मा जो अभी अभी टी-20 के कप्तान बने हैं उन्होंने भी इस सीरीज में भाग ना लेने की इच्छा जाहिर की है।

इससे पहले अजिंक्य रहाणे अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू धरती पर टेस्ट मैच में भारत की अगुवाई कर चुके हैं जिसमें भारत महज 3 दिनों में यह मैच जीत चुका था। अब देखना होगा कि क्या अजिंक्य रहाणे ऑस्ट्रेलिया में किया गया कमाल भारत में दोहरा पाते हैं या नहीं। दो टेस्ट क्रमशः कानपुर में 25 से 29 नवंबर और मुंबई में तीन से सात दिसंबर तक खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की डेथ ओवर गेंदबाजी में नहीं दिखी धार: नासिर हुसैन

अबू धाबी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को पांच विकेट से शिकस्त दी। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने गुरुवार को कहा कि इयोन मोर्गन की टीम ने अपना डेथ बॉलिंग विभाग को बेहतर नहीं किया है। इसकी कीमत हमें 2016 के वर्ल्ड कप में भी चुकानी पड़ी थी। हुसैन ने कहा, जिस तरह इंग्लैंड की डेथ बॉलिंग की कीमत उन्हें पिछले टी20 विश्व कप के फाइनल में चुकानी पड़ी थी, उसी तरह बुधवार को यहां एक बार फिर से देखने को मिला। यह उनके खेल का एक पहलू है, जिसे इंग्लैंड की टीम ठीक करने में असफल रही है। इस सेमीफाइनल में 17वें ओवर तक सब कुछ अच्छा जा रहा था, लेकिन क्रिस जॉर्डन के उस एक ओवर ने पूरे मैच को पलटकर रख दिया। 20 ओवर में 166/4 बनाने के बाद, इंग्लैंड को बुधवार को अबू धाबी में न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी चार ओवरों में 57 रनों का बचाव करना था। लेकिन क्रिस जॉर्डन, आदिल रशीद और क्रिस वोक्स ने अगले तीन ओवरों में 23, 14 और 20 रन देकर मैच को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया।

हार के बावजूद याद रखी जाएगी इंग्लैंड के 'सुपरकिंग' खिलाड़ी की पारी, न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के छुड़ाए पसीने

अबू धाबी (एजेंसी)।

टी20 वर्ल्ड कप में भले ही सेमीफाइन में इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा लेकिन अपनी टीम के लिए पाकिस्तानी मूल के एक अंग्रेजी क्रिकेटर, मोइन अली ने शानदार बल्लेबाजी की और अपनी टीम को शर्मनाक हार से बचाया। टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल में इंग्लैंड न्यूजीलैंड से हार गयी। हार के बाद भी इंग्लैंड के बल्लेबाज मोइन अली ने दबाव में भी न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के पसीने छुड़वा दिए। इंग्लैंड की पारी के दौरान 53 रनों पर 2 विकेट गिर चुके थे। टीम दबाव में थी। मोईन अली पारी के 9वें ओवर की दूसरी गेंद पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन पर जीत के लिए एक बड़ा स्कोर करने का दबाव था। दबाव के बाद भी मोइन का बल्ला चला और मोईन अली ने 36 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। आखिरी तक वह मैदान में खड़े रहे और इंग्लैंड के रन रेट को गिरने नहीं दिया। दौरान उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के जड़े। अंत में मोईन 37 गेंद में 51 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने अपने बॉलिंग के दम पर पावर प्ले की शुरूआत इंग्लैंड के दो विकेट चटका दिए। मोईन अली के शुरू में संघर्ष करने के बाद आखिरी क्षणों की तेजतर्रार पारी के दम पर इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट पर 166 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे जोस बटलर 24 गेंदों पर 29 रन ही बना पाये लेकिन मोईन (37 गेंदों पर नाबाद 51 रन, तीन चौके, दो छक्के) और डाविड मलान (30 गेंदों पर 41 रन, चार चौके, एक छक्का) ने तीसरे विकेट के लिये 63 रन जोड़कर मध्यक्रम में अहम भूमिका निभायी।

सांसद मनसुख वसावा का बड़ा बयान

गुजरात में जल्दी ही विधानसभा चुनाव होगा

सांसद मनसुख वसावा ने आगे बताया है कि, सीएम भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे

नर्मदा।

राज्य में आने वाले दिनों में गुजरात विधानसभा का चुनाव होगा, इसे लेकर कई तर्क-वितर्क चल रहे हैं। अब गुज रात के सांसद मनसुख वसावा ने हाल एक महत्वपूर्ण बयान सामने आया है। मनसुख वसावा ने हाल विधानसभा के चुनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आज बताया है कि गुज रात में बहुत कम समय में विधानसभा चुनाव होगा। आगामी ५ से ६ महीने में ही गुजरात विधानसभा का चुनाव होगा । इसके साथ ही उन्होंने गुजरात विधानसभा के चुनाव को लेकर बड़ा संकेत दे दिया है। गुजरात के सांसद मनसुख वसावा ने आगे बताया है कि, सीएम भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। नर्मदा जि ले की सभी सीटें भाजपा जीतेगी। यहां उल्लेखनीय है कि, कुछ समय पहले गुज रात में विधानसभा का चुनाव जल्द ही आ रहा है ऐसी अटकलें पर पूर्णविराम लग गया। लेकिन आज फिर एक बार विधानसभा के चुनाव को लेकर एक बयान सामने आया है। पहले भारत के चुनाव आयोग और अब गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने बताया है कि गुजरात में विधानसभा चुनाव निर्धारित समय में ही कराया जाएगा। राज्य में विजय रुपाणी की विदाई के बाद नई सरकार का आगमन होने पर ही राज्य में विधानसभा चुनाव जल्द होगा ऐसी अटकलों शुरू हो गई। दूसरी तरफ उत्तरप्रदेश और दूसरे राज्यों का चुनाव होना है इसके साथ गुजरात का चुनाव

होगा लेकिन संबंधित समय में केंद्रीय चुनाव आयोग ने इनकार करते हुए कहा है कि हम गुजरात चुनाव अन्य राज्यों के साथ चुनाव के साथ नहीं करना है क्योंकि हमारे पास तैयार नहीं है।

सूरत जिला के कामरेज में सूर्य उपासना पर्व पूरा आस्था के साथ धाम धूम से मनाया गया

सूरत भूमि, सूरत

भारत देश अलग-अलग परंपराओं का देश है भारतीय संस्कृति का उत्सव के माध्यम से विश्व में भारतीय संस्कृति का डंका बज रहा है उसमें 36 घंटा का उपवास करके छठ पर्व भारत भर में उत्सव मनाया जाता है इसी अनुसंधान पर सूरत जिला के कामरेज में उत्तर भारतीयों द्वारा छठ महापर्व का आयोजन हुआ था जिसमें बड़ी संख्या में व्रत धारी बहनों भाइयों सहित लोग खास इस अवसर पर उपस्थित रहे और सूर्य भगवान का पूजा अर्चना करके अपना व्रत पूर्ण किए

कामरेज का अंबोली के तट पर आया पौराणिक सूर्य पुत्री तापी नदी के तट पर सूर्य उपासना पर्व उत्तर भारतीयों द्वारा खूब धाम धूम से मनाया गया छठ पर्व में अपूर्व विश्वास आस्था का दिव्य अनुभूति का वातावरण दिखाई दिया

छठ पर्व में प्रसाद और सफाई का बहुत ही महत्व है धान की सफाई के साथ पूर्ण आयोजन उत्तर भारतीयों के नेतृत्व करने वाले अग्रणी जैसे श्री लवजीभाई राजपूत श्याम जी भाई छोटेलाल सिंह संजय सिंह मुन्ना गुप्ता और अंबोली ग्राम पंचायत के द्वारा पूर्ण साथ सहकार से कार्यक्रम परिपूर्ण सफल हुआ चारों और उत्साह का वातावरण और छठी मैया के प्रति भक्ति का अपूर्व दिव्य दर्शन अनुभूति हुआ

वैक्सीन का दूसरा डोज लेने में गुजराती लापरवाह बन गये

अहमदाबाद।

गुजरात में त्यौहारों में मौज-मस्ती करने के बाद ४ महीने के बाद पहली बार एक दिन में कोरोना के ४२ केस दर्ज हुए हैं। त्यौहारों में दी गई छूट के बाद फिर कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। जिसमें एक दिन में सबसे ज्यादा अहमदाबाद में १६ केस दर्ज किए गए हैं। इतना ही नहीं पिछले कई दिनों से नए दर्ज होते केस के खिलाफ डिस्चार्ज होने पर मरीज का प्रमाण कम हुआ है। यानी कि अहमदाबाद में एक्टिव केस की संख्या में वृद्धि दर्ज हो रही है। नये केस बाद कुल एक्टिव केस की संख्या २१५ पर पहुंच गई है। एक तरफ गुजरात में कई लोगों ने वैक्सीन का दूसरा डोज नहीं लिया यह सामने आया है। यदि क्षेत्र से बात करे तो एक दिन में अहमदाबाद में १६, सूरत में ५, वलसाड में ५, वडोदरा में ४, जूनागढ़, मोरबी, राजकोट में कोरोना के २-२ केस दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़े पर से लगता है कि, त्यौहारों में जिस तरीके से लोग बिंदास से घूमे, बाजारों में भीड़ पहुंच गई और पर्यटन स्थल फुल होने के लिए कोरोना के केस फिर से बढ़ रहे है। क्योंकि पिछले कई दिनों से नियंत्रण हल्का किया गया है, जिसके बाद लोग जैसे कोरोना चला गया हो वैसे आ रहा है। फिर से कोरोना के केस में उछाल आया है। दूसरी तरफ, दीवाली के बाद टीकाकरण धीरे होने पर सूरत में प्रशासन एक्शन में आ गया है। सूरत में टीकाकरण को गति लाने के लिए ११० टीम बनाई है। सूरत में ७ लाख लोगों ने वैक्सीन का दूसरा डोज अभी तक नहीं लिया है। ११० टीम कार्यरत करके पहले दिन में १७०० लोगों को

वैक्सीन दी है। पहला डोज नहीं लिया हो या दूसरा डोज लेने का बाकी हो ऐसे लोगों को ढूंढकर घर-घर जाकर टीका लगाने का काम किया जा रहा है। सूरत में १४२ सेंटर पर टीकाकरण का कामकाज चल रहा है। सूरत में प्रथम डोज की १०६ फीसदी और दूसरे डोज की ६१ फीसदी काम हुआ है। हालांकि, मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया है कि दुनिया में कोरोना के केस बढ़ रहे है, हमारे देश में केस नहीं बढ़ा है।

दीवाली में अंबाजी के भंडारे में ६७११९३५ रुपये की आय हुई

अहमदाबाद।

पेट्रोल-डीजल बाद अब सीएनजी की कीमत वृद्धि होने से लोग परेशान हो गये है। सीएनज ी की कीमत वृद्धि के खिलाफ अब गुजरात के रिक्शाचालक लड़ लेने के मूड में आ गये हैं। १५ और १६ नवंबर को गुज रात के रिक्शाचालक ३६ घंटे की हड़ताल करेंगे। राज्यभर में रिक्शा चालक सीएनजी की कीमत वृद्धि के विरोध में १४ तारीख को काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। १५ और १६ तारीख को राज्यभर के रिक्शा चालक ३६ घंटे की हड़ताल करेंगे। राज्यभर में १५ लाख रिक्शा के पहिए रूक जाने का समिति ने दावा किया है। यह हड़ताल मामले में सीएनज ी कीमत वृद्धि विरोधी समिति के सीएनजी कीमत वृद्धि विरोधी समिति ने आंदोलन की रूपरेखा तैयार की है। जिसमें कल राज्यभर के अलग-अलग रिक्शा चालक युनियनों की बैठक होगी।

१२ तारीख को रिक्शा चालक युनियन राज्यपाल को आवेदन देकर पेशकश करेंगे। इसके बाद १४ तारीख को काली पट्टी बांधकर रिक्शा चालक विरोध दर्ज कराएंगे। इसके बाद १५ और १६ तारीख को रिक्शा चालक ३६ घंटे की हड़ताल पर चले जाएंगे। जिसमें राज्यभर में १५ लाख रिक्शा के पहिए रूक जाने का समिति ने दावा किया है। यह हड़ताल मामले में सीएनज ी कीमत वृद्धि विरोधी समिति के अशोक पंजाबी ने बताया है कि, सीएनजी की कीमत में कमी करने के सहित आर्थिक सहायता देकर रिक्शा किराया बढ़ाने की मांग की है। महत्वपूर्ण है कि, कुछ दिन पहले मंत्री पूर्णेश मोदी के साथ बैठक हुई थी। जिसमें दो से तीन व्यक्ति को बुलाकर कीमत वृद्धि मंजूर किए जाने का आरोप लगाया गया है। जिसकी वजह से अब १८ रुपये से बढ़ाकर मिनिमम किराया २० रुपया करने की मांग की जा रही है।

इसके साथ पेट्रोल-डीजल में वेट की कटौती की इसी तरीके से सीएनजी की कीमत में वेट कमी करके राहत देने की मांग रिक्शा चालकों ने की है। इसके साथ ही १५ तारीख बाद भी मांग नहीं स्वीकार हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने की चेतावनी दी है। २१ तारीख से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की दृढ़ता व्यक्त की गई है।

पोस्ट डिपार्टमेंट इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक टर्म एंड एन्युइटी प्लान के लिए बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के साथ रणनीतिक साझेदारी की

सूरत - डाक विभाग इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (बीएएलआईसी) ने आज बैंक की 650 शाखाओं और 136,000 से अधिक बैंकिंग एक्सेस पॉइंट के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों को टर्म और एन्यूटी उत्पादों की पेशकश करने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह गठबंधन ग्राहकों को, विशेष रूप से कमजोर वर्गों के लोगों और बैंक की सुविधा से वंचित और कम सुविधा वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को वित्तीय रूप से सुरक्षित और सक्षम बनायेगा और अपने ग्राहकों को मूल्य वर्धित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के आईपीपीबी के उद्देश्य के अनुरूप सक्षम करेगा।

यह घोषणा एक वर्चुअल प्रेस मीट में की गई थी। जिसमे पोस्ट विभाग के एफएस और पीबीआई के डीडीजी श्री पवन कुमार सिंह, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ श्री जे वेंकटरामु और बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री तरुण चुघ उपस्थित रहे थे।

बजाज आलियांज लाइफ स्मार्ट प्रोटेक्ट और बजाज आलियांज लाइफ गारंटीड पेंशन गोल टर्म और एन्युइटी उत्पादन है, जो इस रणनीतिक गठबंधन के हिस्से के रूप में पेश किए जाएंगे। बजाज आलियांज लाइफ स्मार्ट प्रोटेक्ट गोल एक व्यापक और मूल्य वर्धित टर्म इंश्योरेंस प्लान है जो परिवार की आजीविका सामान व्यक्ति की असामयिक मृत्यु के मामले में परिवार को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करता है। बजाज आलियांज लाइफ गारंटीड पेंशन गोल एन्युइटी योजना है जिसका उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद के खर्चों को पूरा करना है, क्योंकि यह व्यक्ति के जीवित रहने तक गारंटीड और निश्चित नियमित आय प्रदान करता है। यह दोनों योजनाएं डाक विभाग के मौजूदा पीएलआई (डाक जीवन बीमा) और आरपीएलआई (ग्रामीण डाक जीवन बीमा) उत्पादों के अलावा ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी।

जोड़ाण पर टिप्पणी करते हुए, डाक विभाग के सचिव, श्री विनीत पांडे ने कहा, "इंडिया पोस्ट में, हम उन लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनके पास बीमा और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच नहीं है। यह गठबंधन ग्राहकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को समग्र रूप से पूरा करने में सक्षम बनाएगा। ग्राहक डाक विभाग के बचत उत्पादों का लाभ लेना जारी रख सकते हैं और साथ ही अपनी लंबी अवधि की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए इस अवधि और वार्षिकी बीमा का लाभ उठा सकते हैं।"

एक दोस्त ने कुकर मारकर दूसरे दोस्त की हत्या की

सूरत।

फिलहाल में लोग छोटी-छोटी बात को लेकर हिंसक बन जाते है। अब सूरत में और एक क्राइम की घटना हुई है। सूरत के सचिन जीआईडीसी क्षेत्र के सांइनगर में किराये के रूम में रहते दो रूम पार्टनर के बीच घर का कामकाज करने के मुद्दे पर हुआ झगड़ा खूनी हो गया। झगड़े की दुश्मनी में एक युवक ने दूसरे युवक के सिर में लोहे का तवा और कुकर मारकर हत्या करने पर पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार करके पूछताछ शुरू कर दी है। मामूली बात में एक-दूसरे के साथ भारी वादविवाद हो गया था घटना मामले में एसीपी जेके पंडया ने जानकारी देते हुए कहा कि, सचिन जीआईडीसी के शिवनगर निकट सांइनगर के घर नंबर २९, ३० में किराये के रूम में रहते कल्लू बडकू निशाद के साथ सप्ताह पहले इसके गांव का पवन पतराखन निशाद नाम का युवक रहने आया था। पवन रहने आने के दो दिन बाद से उनके बीच छोटी-छोटी बात पर झगड़ा शुरू हुआ था। घर में पानी भरना और किराना का सामान लाने के मामले में झगड़ा होने लगा था। जिसकी वजह से कल्लू ने अपने अन्य रूम पार्टनर रामचंद्र गुप्ता को कहा है कि, पवन को रूम खाली करने दो। हालांकि यह बात की जानकारी पवन को हो जाने पर दोनों के बीच भारी वादविवाद हो गया था। इसके बाद गुस्से में आये पवन ने लोहे का तवा और कुकर के द्वारा हमला करके कल्लू के सिर में गंभीर चोट पहुंचाई थी। जहां इसकी मौत हुई थी। घटना मामले में सचिन जीआईडीसी पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पवन निशाद को गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि, कल्लू जीआईडीसी की मील में छूटक काम करता था, जबकि पवन संचा खाते में नौकरी करते होने की जानकारी मिली है।

गो फर्स्ट्टा ने सीधी उड़ानें शुरू कर सूरत को बेंगलुरू, दिल्ली और कोलकाता से जोड़ा

सूरत

गो फर्स्टल (पूर्व में गोएयर के नाम से मशहूर) ने आज सूरत से बेंगलुरू, दिल्लीम और कोलकाता की सीधी उड़ान के लॉन्चर की घोषणा की है। इसके साथ ही एयरलाइन ने अपनी रीजनल कनेक्टिविटी को मजबूत किया है। पहली उड़ान ता8 2202 को आज सूरत से सुबह 10.00 बजे हरी झंडी दिखाई गई और यह 11.45 बजे श्रीनगर पहुँची।

नये स्टेजशन के जुड़ने से गो फर्स्ट् की मजबूत नेटवर्क क्षमता और भी सुदृढ़ होगी और मेट्रो तथा टीयर 1 शहरों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इस प्रकार ग्राहकों को विकल्प बेहतर मिलेंगे। एक ही दिन की रिटर्न फ्लाइट से यात्री अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकेंगे और उनका समय बचेगा। इससे बिजनेस और लीशर, दोनों के मामले में इस क्षेत्र को जरूरी बढ़ावा मिलेगा।

सूरत हैदराबाद, सिलीगुड़ी, पटना, श्रीनगर, गुवाहाटी, जम्मू, मालदीव्स, लखनऊ, और रांची से और यहां के लिए कनेक्शंस के साथ बेंगलुरू (1 उड़ान रोजाना), दिल्लीट (2 उड़ान रोजाना) और कोलकाता (1 उड़ान रोजाना) से जुड़ेगा।

इस बारे में गो फर्स्टल के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री कौशिक खोना ने कहा: "गो फर्स्टन में हमने लगातार ऐसा मजबूत नेटवर्क बनाने का प्रयास किया है, जो हमारे ग्राहकों की यात्रा को आसान बनाए और उन्हें चुनने के लिये अच्छे विकल्पर दे। इन नये स्टेसशनों के जुड़ने से न केवल हमारा नेटवर्क मजबूत होगा, बल्कि ग्राहकों को मेट्रो और अन्य महत्वलपूर्ण शहरों तथा उनके आगे भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। हम ग्राहक सेवा और क्षमता का उच्चोतम स्तकर बनाये रखते हुए वृद्धि करना जारी रखेंगे।"

क्षमता और ग्राहक संतोष पर केन्द्रित होकर गो फर्स्ट् अपनी "यू कम फर्स्ट्टा" फिलोसॉफी के अनुसार अपने यात्रियों को उड़ान और एयरपोर्ट का सुचारू अनुभव देने की कोशिश करती है। नये इंटरनेशनल और डोमेस्टिक सेक्ट्स को खोलकर और अपने फ्लीट में नये एयरक्राफ्ट जोड़कर वह हालिया समय में वृद्धि के रास्तेट पर है। गो फर्स्ट् का एयरक्राफ्ट फ्लीट विश्वफ के सबसे नये में से एक है, जिसके बेड़े की औसत उम्र 3.6 साल है।

राज्यपाल के फोटोग्राफर के घर से लाखों की चोरी हुई

अहमदाबाद।

गुजरात में अब चोर नेताओं और सरकारी अधिकारियों के घर पर चोरी करके हाहाकार मचा रहे हैं। ऐसे में गुजरात के राज्यपाल के नियुक्त निजी फोटोग्राफर के घर पर चोर घुस गये।

वह परिवार के साथ दर्शन के लिए गये थे तब चोरों ने घर से लाखों के मालसामान की चोरी कर ली है। अहमदाबाद पॉश ऐसा सेटेलाइट क्षेत्र में हर्षद झाटकीया रहते है। वह गुजरात राज्यपाल के नियुक्त फोटोग्राफर है। हर्षदभाई और अपना परिवार गत ६ नवंबर से १० नवंबर तक अपने परिवार के साथ दीवाली की छुट्टी में घूमने गये थे।

परिवार माताजी के दर्शन और बावला में केन्सविले में ठहरने के लिए गये थे। ज बकि १० नवंबर को हर्षदभाई और अपने परिवार के साथ वापस आये तब उन्होंने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था और घर में सभी सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने पूरा घर जाकर चेक किया तो घर से कई सामान गायब थे। कुल १३ लाख की नकद सहित सोना-चांदी के गहने की चोरी की गई थी। अब हर्षदभाई ने तुरंत पुलिस को जानकारी दी थी। सेटेलाइट पुलिस ने घटनास्थल पर ऐसी सेंधमार चोरी की शिकायत दर्ज की थी। अब सोसाइटी में लगे सीसीटीवी फूटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जिसमें सीसीटीवी में तीन चोर दिखाई दिए हैं। सेटेलाइट पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर सेंधमारी चोर को

गिरफ्तार करने के लिए प्रयास शुरू किया गया है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में अब चोर बेखौफ बन गये हैं। बढ़ रहे अपराधों पर पुलिस की कोई लगाम नहीं है। कई शहरों में क्राइम रेट लगातार बढ़ रहा है। विशेष करके अहमदाबाद जैसे मेगा सिटी में बुजुर्ग, बच्चे, अकेले रहते लोगों को टार्गेट बनाया जा रहा है।

सोमनाथ में सप्ताह में होकर १.३५ लाख की आय

सोमनाथ।

दीवाली से लाभपांचम तक के त्यौहारों में लाखों लोगों ने प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के प्रत्यक्ष दर्शन किए तो सोशल मीडिया के द्वारा करोड़ों भक्तों ने दादा सोमनाथ के दर्शन किए हैं। यह दृश्य करोड़ों हिन्दूओं की आस्था के केंद्र और देश के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव पटांगण के है ऐसे तो, गत कई वर्ष गुजरात और केंद्र सरकार के कई प्रसाद योजना और कई दाता सहयोग के प्रभास क्षेत्र महादेव के दर्शन के साथ-साथ यात्राधाम के तौर पर जाने लग गये है।

महादेव सदियों से यहां बिराजमान है। लेकिन यात्रियों की सुविधा को लेकर पिछले कई वर्षों से विकास गाथा ने तेजी पकड़ने पर सोमनाथ की भूमि अब वेकेशन और त्यौहारों के समय में आकर्षण का केंद्र बन गया है। हालांकि पिछले दो वर्ष से वैश्विक महामारी कोरोना की वजह से अधिकतर प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर बंद जैसा ही था। अनलॉक समय के दौरान भी कड़े नियमों के साथ मंदिर भक्तों के लिए खुला रखा गया लेकिन भक्त भी नहीं आते थे। लेकिन महादेव की कृपा से कोरोना का संक्रमण कम हुआ और हल्का हुआ। इसी वजह से दीवाली के त्यौहारों के दौरान भक्तों का महासागर सोमनाथ दर्शन पर पहुंचा। इस मामले में सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के एक्जीक्युटिव ऑफिसर दीलीपभाई चावडा का कहना है कि, सोमनाथ ट्रस्ट के सभी गेस्टहाउस में बुकिंग फुल हो गई है। लाखों लोग अलग आस्था और श्रद्धा के साथ दादा सोमनाथ के दर्शन पर पहुंचे थे। इस बार त्यौहार के समय एक सप्ताह में ३ लाख से ज्यादा भक्तों ने दादा सोमनाथ के प्रत्यक्ष दर्शन किए हैं जबकि फेसबुक, ट्विटर, यूटयुब और सोमनाथ ट्रस्ट की वेबसाइट के द्वारा सोशल मीडिया के द्वारा १ करोड़ से ज्यादा लोगों ने दर्शन का लाभ लिया है। इसके अलावा उन्होंने आगे बताया है कि, पूजाविधि, प्रसाद, लाइट एंड साउंड शो आदि द्वारा सोमनाथ ट्रस्ट को १ करोड़ ३५ लाख रुपये की आय भी हुई है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)